@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 7 जून 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 213 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

● फाउंडर अभिजीत बोले- 5 दिन में शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें

नहीं तो अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर आएंगे

एजेंसी
सूरत। NEET पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 5 दिन के अंदर इस्तीफा दें नहीं तो अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत शनिवार सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे।

अभिजीत के साथ सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल
दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन अभिजीत दीपके की अगुआई में हुआ था। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके अलावा CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी अभिजीत के साथ नजर आए।

आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। पिछले साल ही लंदन से भारत लौटे थे।

CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

अब आगे क्या...

- कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। अभिजीत ने कहा- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।
- अभिजीत ने धमेंद्र को इस्तीफे के लिए पांच दिन का अल्टीमेटम दिया है।
- अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

सोशल मीडिया से सड़क तक पहुंचा सीजेपी का आंदोलन

यह प्रदर्शन केवल ऑनलाइन अभियान तक सीमित नहीं रहा। बड़ी संख्या में स्कूल और कॉलेज के छात्र, युवा पेशेवर और अभिभावक जंतर-मंतर पहुंचे। कई प्रदर्शनकारी कॉकरोच मास्क पहनकर आए और हाथों में फूल लिए दिखे। अभिजीत दीपके ने प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखने की अपील की और पुलिसकर्मियों को फूल देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आंदोलन संविधान और लोकतंत्र के दायरे में रहेगा। इस प्रदर्शन ने साफ संकेत दिया कि शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को लेकर युवाओं के बीच गुस्सा तेजी से बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की चर्चा

बैठक में परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएम-ईएसी) के सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भारत की आर्थिक वृद्धि को और गति देने के उपायों पर व्यापक चर्चा की गई। प्रधानमंत्री और परिषद के सदस्यों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विभिन्न विचारों और नीतिगत उपायों पर विचार-विमर्श किया। इसके साथ ही आम नागरिकों के जीवन को अधिक सुगम बनाने तथा कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देने संबंधी सुधारों पर भी चर्चा हुई।

बैठक में परिषद के सदस्यों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों का भी आकलन प्रस्तुत किया। ऊर्जा

आपूर्ति, व्यापार, निवेश और वैश्विक आर्थिक स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विचार साझा किए गए। सरकार का मानना है कि अनिश्चित वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और दीर्घकालिक विकास के लिए सुधारों तथा निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार कदम उठाए जा रहे हैं।

ब्रिक्स सीडब्ल्यूजी के प्रतिनिधियों ने काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन पूजन

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के बाद शनिवार को सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन किया। मंदिर में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का दर्शन पूजन के बाद विदेशी मेहमानों ने काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण किया। ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने इस दौरान मंदिर की भव्यता और दिव्यता के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अनुभव किया। धाम में भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने वाराणसी की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों और ऐतिहासिक महत्व को निकटता से जाना। यह यात्रा उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्था और सनातन परंपरा से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर बनी।

मप्र से राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल ने दाखिल किया नामांकन

● इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश से राज्यसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दोनों उम्मीदवार तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल ने शनिवार को दोपहर में विधानसभा पहुंचकर अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश से राज्यसभा की रिक्त तीन सीटों के लिए आगामी 18 जून को मतदान होना है। भाजपा ने दो सीटों के लिए पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा के दोनों

उम्मीदवार शनिवार को दोपहर करीब 12:30 बजे विधानसभा पहुंचे और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय समेत समेत अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया।

भाजपा कार्यालय में पार्टी विधायकों की एक बैठक हुई

नामांकन दाखिल करने से पहले प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी विधायकों की एक बैठक हुई। इसमें दोनों उम्मीदवारों तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल के अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में चुनाव की रणनीति और एकजुटता को लेकर चर्चा हुई।
बैठक खत्म होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और दोनों उम्मीदवार भाजपा कार्यालय परिसर में स्थित शिव और हनुमान मंदिर पहुंचे।

एक सप्ताह में पीलिया से 5 लोगों की मौत

एजेंसी
रायपुर /अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट में पिछले एक सप्ताह के भीतर 4 गांवों में 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों में एक उपसरपंच और एक छात्र भी शामिल हैं, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। प्रशासन ने फ़िलहाल तीन लोगों के मौत की पुष्टि की है। दो लोगों के मौत की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पीलिया से पांच लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। वहीं कई मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को गांवों में जाकर सर्वे किया। सरगुजा सीएमएचओ ने बताया कि दो मौतें पीलिया से होने की जानकारी मिली है। एक को क्रोनिक डिजीज था। बाकी मौतों की जानकारी की जांच की जा रही है।

● पीलिया से जिन लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है, उनमें कुनिया के पूर्व उप सरपंच जितेंद्र यादव, नर्मदापुर की भाग्यवती यादव, बरिमा के कक्षा 9वीं के छात्र विकास यादव और बड़गहवा गांव की एक युवती शामिल हैं।

नर्मदापुर, कुनिया और बरिमा में पीलिया से कुछ लोगों के पीड़ित होने और मौत की जानकारी मिली थी। कुनिया में चार स्थानों के पानी का सैंपल लिया गया है।

उपराष्ट्रपति ने नॉर्वे शतरंज का खिताब जीतने पर प्रज्ञाननंद को दी बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञाननंद को नॉर्वे शतरंज 2026 का खिताब जीतने पर बधाई दी। उपराष्ट्रपति ने शनिवार को अपने संदेश में कहा कि प्रज्ञाननंद की यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी असाधारण प्रतिभा, अटूट समर्पण और वर्षों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर उनका लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन देश के लिए गर्व का विषय है और वह पूरे भारत में अनगिनत युवा शतरंज खिलाड़ियों को प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रज्ञाननंद ने न केवल भारतीय शतरंज को नई पहचान दिलाई है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान भी बढ़ाया है। उपराष्ट्रपति ने विश्वास जताया कि युवा ग्रैंडमास्टर भविष्य में भी नई ऊंचाइयों को छूते हुए देश का नाम रोशन करते रहेंगे। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने प्रज्ञाननंद के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना करते हुए उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं।

अब बुलेट ट्रेन परियोजना से भी जुड़ेगा पश्चिम बंगाल

● रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुभेंदु संग की बैठक

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्य सचिवालय नबान्न में शनिवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी

● 'राज्य में 538 फ्लाईओवर और अंडरपास का निर्माण किया जाएगा'

के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई है। बैठक में राज्य में रेल परियोजनाओं के विस्तार, मेट्रो विकास और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक से पहले दोनों पक्षों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता भी की, जिसमें रेल मंत्री ने पश्चिम बंगाल में चल रही और प्रस्तावित रेल परियोजनाओं को लेकर विस्तृत जानकारी दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने

कहा कि पूर्व की सरकारों के समय रेल परियोजनाओं को लेकर कई बार अनुमति मिलने में देरी होती थी और कुछ मामलों में काम न्यायालय तक पहुंच जाता था, जिससे परियोजनाओं की गति प्रभावित होती थी। उन्होंने चिंगड़ीघाटा मेट्रो परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय कई अड़चनें आई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं और केंद्र व राज्य के बीच बेहतर समन्वय से परियोजनाओं को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विकास कार्यों के लिए अनुकूल माहौल बना है और इससे रेल क्षेत्र में भी तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में दिल्ली से सिलिगुड़ी तक बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है, जिससे यह दूरी लगभग छह घंटे में पूरी की जा सकेगी। प्रस्तावित मार्ग दिल्ली से लखनऊ और पटना होते हुए सिलिगुड़ी को जोड़ेगा, जिससे पूर्वी भारत की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव आने की संभावना है।

लुधियाना स्टेशन पर हादसा

नई दिल्ली-कटरा ट्रेन के स्लीपर कोच का शौचालय धमाके के साथ टूटा, सभी यात्री सुरक्षित

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में शनिवार सुबह रेलवे स्टेशन पर खड़ी कटरा स्पेशल ट्रेन में जोरदार धमाके साथ दो कोच को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई और जोरदार धमाके के साथ शौचालय दो हिस्सों में टूट गया। धमाके से रेलवे स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। हालांकि सभी सुरक्षित हैं।रेलवे ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन शनिवार सुबह ही नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई थी। गर्मी की छुट्टियों के चलते ट्रेन फुल चल रही थी। वैष्णो देवी स्पेशल ट्रेन सुबह 9 बजे लुधियाना रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन जैसे ही अगले स्टेशन के लिए चलने लगी तो ट्रेन की बोगी एस-टू के शौचालय में जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज सुनते ही यात्रियों में भगदड़ मच गई और स्टेशन पर अफरातफरी फैल गई।

स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलाव, कांग्रेस इसको स्वीकार करने से बच रही: जेपी नड्डा

● खरगे की जानकारी अधूरी और खतरनाक है : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय को राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित करना उचित नहीं है।

खरगे की जानकारी अधूरी और खतरनाक है। सिर्फ चुनिंदा आंकड़ों के आधार पर तस्वीर पेश करने के बजाय पूरे परिदृश्य को देखना चाहिए। जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा कि कांग्रेस

देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों को स्वीकार करने से बच रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधार हुए हैं। एनएफएचएस -3 (2005-06) की तुलना में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रमुख संकेतकों में

● स्वास्थ्य क्षेत्र में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं और केंद्र सरकार उन्हें दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है'

उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

नड्डा ने कहा कि गर्भावस्था की पहली तिमाही में पंजीकरण कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत 43.9 से बढ़कर 76.2 हो गया है। वहीं संस्थागत प्रसव 38.7 से बढ़कर 90.6 प्रतिशत और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में होने वाले प्रसव 46.6 से बढ़कर 91.3 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं।

उन्होंने कहा कि ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि करोड़ों महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं, सुरक्षित प्रसव और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने का प्रमाण हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत की स्वास्थ्य यात्रा की वास्तविक कहानी निराशा नहीं, बल्कि निरंतर प्रगति और सुधार की है। कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि वह देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए सकारात्मक बदलावों को स्वीकार करने से बच रही है। दशकों तक भारत कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं, सीमित चिकित्सा पहुंच और कमजोर सेवा वितरण प्रणाली की चुनौतियों से जूझता रहा, जिसके प्रभाव कई पीढ़ियों तक दिखाई दिए।

फिरोजपुर में सडक़ हादसा

8 की मौत 12 घायल

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब के फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग पर शनिवार की सुबह हुए भीषण सड़क़ हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य घायल हो गए। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है। हादसे का शिकार हुए सभी लोग अपने पारिवारिक सदस्य की अस्थियों का विसर्जन करने के लिए जलालाबाद से ब्यास जा रहे थे। रास्ते में फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग जंगा वाला मोड़ के पास यह हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार जलालाबाद के गांव मल्कज़ादे का एक परिवार अपने मृतक परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए डेरा ब्यास जा रहा था। परिवार और रिश्तेदारों समेत करीब 25 से 30 लोग पिकअप में सवार थे। जब वाहन गांव हुसैनशाह के पास पहुंचा, तो सामने से आ रहे ट्राले के साथ उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप के जा रहा है कि कई लोगों की मौत मौके पर ही हो गई, जबकि घायलों को इलाज के लिए फिरोजपुर के

ऊपर बने टूल बॉक्स में बैठे पांच लोग उछलकर ट्राले का शीशा तोड़ते हुए उसके अंदर जा गिरे। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि गाड़ी में सवार कई लोग अंदर ही फंस गए। बताया सिविल अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी फिरोजपुर भूपिंदर सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

उम्मीदवार घोषित होते ही सम्राट चौधी से मिलने पहुंचे पवन सिंह

पटना (एजेंसी)। भोजपुरी सिनेमा के चर्चित अभिनेता और गायक पवन सिंह अब सक्रिय राजनीति में नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बिहार विधान परिषद के लिए उम्मीदवार बनाया है। शनिवार को पवन सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर आगामी राजनीतिक जिम्मेदारियों पर चर्चा की। करीब 30 मिनट चली इस मुलाकात के बाद पवन सिंह ने बताया कि विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि वह 8 जून को विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करेंगे। पवन सिंह ने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलने से पहले उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी से भी मुलाकात की। पवन सिंह ने भाजपा को अपनी मां बताते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें सम्मान और जिम्मेदारी दोनों दिए हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने का उनका उद्देश्य केवल जनसेवा है और वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के समर्थन में उनके गीत जोड़ी मोदी और नीतीश जी के हिट होई को काफी लोकप्रियता मिली थी। अब जबकि वो खुद सक्रिय राजनीति में कदम रखने को तैयार हैं तो ऐसे में उनकी राजनीतिक भूमिका पर सबकी नजरें टिक गई हैं।

मंदिर जा रहे दंपति को ट्रक ने कुचला, दोनों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार दंपति की मौत हो गई। सिद्धनाथ मंदिर दर्शन के लिए जा रहे पति-पत्नी को एक तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान चकेरी थाना क्षेत्र निवासी सेवानिवृत्त नगर निगम सफाई सुपरवाइजर लक्ष्मीकांत शर्मा और उनकी पत्नी आशा शर्मा के रूप में हुई है। परिवार के अनुसार दोनों सुबह मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। सोलंकी धर्मकांटा के पास पीछे से आए ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे, लेकिन एम्बुलेंस आने से पहले ही दोनों ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद भाग रहे ट्रक चालक को लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसीपी कैंट अमित चौरसिया ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है तथा सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

कोटा में मायापुरी अखाड़े के महंत की हत्या से सनसनी , आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव लेने से इंकार

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा जिले में मौजूद ऐतिहासिक चंद्रेसल मठ के महंत देवानंद महाराज की हत्या से संत समाज में भारी आक्रोश है। बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में स्थित करीब 1100 वर्ष पुराने मठ में शुक्रवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने सो रहे महंत पर चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल महंत को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे की है। ग्रामीणों को मठ परिसर में महंत गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। उन्हें कोटा के महाराव भीम सिंह अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने महंत पर गर्दन और पीठ सहित शरीर के कई हिस्सों पर धारदार हथियार से वार किए थे।

जानकारी के अनुसार, 35 वर्षीय देवानंद महाराज मायापुरी अखाड़े से जुड़े थे और मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले के रजवाना क्षेत्र के निवासी थे। वह पिछले चार वर्षों से चंद्रेसल मठ में रहकर धार्मिक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। लोगों और संत समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि वारदात के समय मठ में एक अन्य संत नंदनवन महाराज भी मौजूद थे। आरोप है कि बदमाशों ने पहले उन्हें कमरे में बंद कर दिया और फिर महंत के कक्ष में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का काम कर रहे प्रेमानंद महाराज : रामभद्राचार्य

लखनऊ (एजेंसी)। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कहा है कि प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज निश्चित रूप से युवाओं को धर्म और आध्यात्मिकता से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि आज कई चर्चित हस्तियां, जिसमें क्रिकेटर विराट कोहली भी शामिल हैं, प्रेमानंद महाराज के पास मार्गदर्शन लेने पहुंचे हैं, जिससे युवाओं में भी धर्म के प्रति रुचि बढ़ रही है।

लखनऊ में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान रामभद्राचार्य ने सनातन धर्म, रामराज्य और संन्यासियों की भूमिका पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि किसी भी संन्यासी का मूल धर्म साधना करना और समाज को सही दिशा देना होता है। राजनीति को मार्गदर्शन देना संतों का दायित्व हो सकता है, लेकिन सक्रिय राजनीति करना उनका कार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कई लोग राजनीति की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जबकि संन्यासियों को अपने आध्यात्मिक कर्तव्यों पर केंद्रित रहना चाहिए। हालांकि, उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक अपवाद बताकर कहा कि वे राजर्षि की भूमिका में कार्य कर रहे हैं और जनहित में अच्छा काम कर रहे हैं।

रामभद्राचार्य ने रामराज्य की अवधारणा पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि रामराज्य का मूल भाव आपसी प्रेम, सामाजिक समरसता और कर्तव्य पालन में निहित है। उनके अनुसार, ऐसा समाज होना चाहिए जहां कोई किसी के अधिकारों का हनन न करे और सभी अपने धर्म एवं जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से भी भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनना चाहिए। देश को आयात पर निर्भर रहने के बजाय निर्यातक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। यही वास्तविक अर्थों में रामराज्य की परिकल्पना है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार बरसी पर स्वर्ण मंदिर परिसर में लगे खालिस्तान जिंदाबाद के नारे

अकाल तख्त साहिब पर भारी भीड़ जुटी, भिंडरावाले के बड़े-बड़े पोस्टर लहराए

अमृतसर (एजेंसी)। भारतीय इतिहास के सबसे संवेदनशील सैन्य अभियानों में से एक ऑपरेशन ब्लू स्टार की आज 42वीं बरसी है। इस मौके पर पंजाब के अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर परिसर में फिर अलगाववादी स्वर सुनाई दिए। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ श्री अकाल तख्त साहिब पर भीड़ जमा हुई, जहां जरनैल सिंह भिंडरावाले के समर्थन में पोस्टर लहराए गए और खालिस्तान के समर्थन में जमकर नारेबाजी हुई। श्री अकाल तख्त साहिब के पास इकट्ठा हुए चरमपंथी और सिख संगठनों के समर्थकों ने हाथों में तख्तियां और जरनैल सिंह भिंडरावाले के बड़े-बड़े पोस्टर ले रखे थे। इस दौरान खालिस्तान जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों और कई संगठनों द्वारा हर साल 6 जून को विशेष अरदास की जाती है, जिसमें जरनैल सिंह भिंडरावाले और ऑपरेशन के दौरान मारे गए अन्य लोगों को याद किया जाता है। बरसी की संवेदनशीलता को देखते हुए हर साल की तरह पंजाब पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा अमृतसर और विशेषकर स्वर्ण मंदिर के आसपास सुरक्षा के कड़ी कर दी गई हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके और शांति कायम रहे।

बता दें ऑपरेशन ब्लू स्टार भारतीय सेना द्वारा 1 से 8 जून 1984 के बीच चलाया गया एक बड़ा सैन्य अभियान था। तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी के निर्देश पर सेना ने अमृतसर के हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) परिसर को जरनैल सिंह भिंडरावाले और उनके हथियारबंद समर्थकों के नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए यह अभियान चलाया था। सेना की भारी गोलीबारी और कार्रवाई के दौरान 6 जून 1984 को भिंडरावाले की मौत हो गई थी। इस सैन्य कार्रवाई में अकाल तख्त साहिब की इमारत को नुकसान पहुंचा था। समूचे सिख समुदाय ने इसे हरमंदिर साहिब की बेअदबी माना और इंदिरा गांधी को इस कदम की कीमत अपनी जान गंवाकर चुकानी पड़ी थी। आज 42 साल बाद भी इस सैन्य ऑपरेशन की बरसी पर होने वाली यह गहमागहमी इस बात का संकेत है कि पंजाब के इतिहास का यह पन्ना आज भी संवेदनशील और भावनात्मक बना हुआ है।

बता दें जरनैल सिंह भिंडरावाले का असली नाम जरनैल सिंह बराड़ था। वह सिखों की प्रमुख रूढ़िवादी धार्मिक संस्था दमदमी टकसाल का प्रमुख और 1980 के दशक में पंजाब का एक विवादास्पद कट्टरपंथी नेता था। 1978 में सिख-निरंकारी हिंसक झड़प के बाद वह प्रमुखता से उभरा। उसने आनंदपुर साहिब प्रस्ताव का आक्रामक रूप से समर्थन किया। 80 के दशक की शुरुआत में उसके भाषणों ने पंजाब में उग्रवाद को भड़काया और उसके समर्थकों पर कई हिंसक वारदातों और हत्याओं के आरोप लगे। पुलिस कार्रवाई से बचने और अपनी गतिविधियों को चलाने के लिए भिंडरावाले ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर परिसर में हथियारों के साथ अपना मजबूत ठिकाना बना लिया था उसे और उसके सशस्त्र समर्थकों को वहां से निकालने के लिए ही भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया, जिसमें 6 जून 1984 को वह मारा गया। मौत के बाद, वह अलगाववादी खालिस्तान आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा बन गया।

अन्नामलाई के नई पार्टी लॉन्च करते ही 10 घंटे में 10 लाख लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई की नई पार्टी 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के मुताबिक आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के अंदर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। अन्नामलाई ने 2 जून को बीजेपी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई। अन्नामलाई के समर्थन में बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई बीजेपी नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है। अन्नामलाई ने बीजेपी से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा कि आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। हमारी पार्टी तमिलनाडु में 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। उन्होंने 'वी द लीडर्स' नाम से नया प्लेटफॉर्म और वेबसाइट भी लॉन्च की। इसके साथ ही कोयंबटूर में एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इथि?क्स एंड पॉलिटिक्स संस्थान भी स्थापित करने की घोषणा की है। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं। मेरा मकसद तमिलनाडु में बदलाव लाना और राजनीति के तौर-तरीकों को बेहतर बनाना था। जनता दशकों से चली आ रही आम राजनीति से ऊब गई है। बदलाव चाहती है। बीजेपी आलाकमान से मतभेद थे। उनके विचार हमसे नहीं मिलते रहे थे। मैं उस सोच को बदलना चाहता था, जिसके मुताबिक राजनीति रईसों और कुछ खास लोगों के लिए है, आम आदमी के लिए नहीं। मेरे आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति पूजा और सत्ता में परिवारवाद को खारिज कर सियासी तस्वीर बदलना है। इस आंदोलन का उद्देश्य मौजूदा पार्टियों से काम्पिटीशन किए बिना लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता देना है। उन्होंने कहा कि यह तय करना मुश्किल था कि बीजेपी में रहूं या तमिल लोगों से जुड़ा रहूं। मैंने 4 दिसंबर 2025 को पार्टी को बताया कि मैं इस्तीफा दूंगा। राज्य की जनता कई दशकों से चली आ रही आम राजनीतिक चर्चाओं से ऊब चुकी थी और बदलाव चाहती थी। पिछले दशक में कई बार बदलाव की लहरें उठीं, लेकिन वे टिक नहीं पाईं। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं।

22 सांसद टीएमसी तोड़ने को तैयार, शुभेंद्रु अधिकारी ने दिल्ली में डाला डेरा

-बंगाल बीजेपी अध्यक्ष बोले- हां, फोन आ रहे हैं, टीएमसी सांसद हमसे कर रहे संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवाने और विधायकों की बगावत के बाद अब तृणमूल कांग्रेस के वजूद पर खतरा मंडरा रहा है। दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल में एक बड़ी टूट की पटकथा लिखी जा चुकी है। खबर है कि अगले हफ्ते की शुरुआत में जब ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी विपक्षी इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दिल्ली पहुंचेंगे तब पार्टी के कम से कम 22 सांसद बागी होकर खुद को असली टीएमसी घोषित कर सकते हैं।

खबरों के मुताबिक संसद में होने वाले इस तख्तापलट और बागी गुट का नेतृत्व बारासात से लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार कर रही हैं। इनमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदन के सांसद हैं। इस सियासी हलचल के बीच पश्चिम बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य इस वक्त दिल्ली में ही डेरा डाले हुए हैं। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हां, फोन कॉल्स आ रहे हैं। तृणमूल के सांसद लगातार हमसे संपर्क कर रहे हैं। टीएमसी अब बीते कल की बात हो चुकी है। निकट भविष्य में यह इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगी।

बीजेपी की राष्ट्रीय महासचिव लॉकेट चटर्जी ने भी इस कहा कि 4 मई के चुनावी नतीजों के बाद से ही कई सांसद हमारे साथ लगातार संपर्क में हैं। टेक्स्ट मैसेज, व्हाट्सएप, कॉल्स...क्या कुछ नहीं हो रहा है। वे बस पाला बदलना चाहते हैं। संसद में आधिकारिक तौर पर विभाजन को मान्यता दिलाने और दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता से बचने के लिए बागी धड़े को दो-तिहाई बहुमत की जरुरत होगी। हाजी नुरुल इस्लाम के निधन के बाद लोकसभा में टीएमसी के 28 सदस्य हैं, जबकि राज्यसभा में उसके 13 सदस्य हैं। कोलकाता की तर्ज पर दिल्ली में खेल करने के लिए बागियों को कम से कम 19 लोकसभा और 9 राज्यसभा सांसदों के समर्थन की जरुरत होगी। सूत्रों के मुताबिक बागी खेमे में इस वक्त दोनों सदनों को मिलाकर 22 सांसदों का आंकड़ा तैयार हो चुका है। टीएमसी के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने भी इस संभावित टूट की पुष्टि करते हुए कहा कि संसदीय दल का बिखराव अब अनिवार्य है। शुक्रवार को कई सांसदों से संपर्क करने की कोशिश की गई तो 16 में से 15 सांसदों के फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहे थे। इनमें कई मनोरंजन जगत के सितारे, पूर्व खिलाड़ी और पहली बार जीते सांसद शामिल हैं।

आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते

सीजेपी संस्थापक अभिजीत ने जंतर-मंतर से भरी हुंकार, शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन में अभिजीत दीपके ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा। उन्होंने कहा कि मेरे दोस्तों, यह एक लंबा संघर्ष है। सोशल मीडिया पर प्रधान के इस्तीफे की मांग शुरू किए हुए एक महीना हो गया है, लेकिन ये लोग इतने बेशर्म हैं कि कार्रवाई करने के बजाय, वे अन्य कामों में लगे हैं, जैसे हमारे अकाउंट हैक करना और हमारी पोस्ट को डिलीट करवाना। आप हमारी पोस्ट डिलीट कर सकते हैं, लेकिन आप हमें इस मंच से मिटा नहीं सकते उन्होंने यह भी कहा कि कार्यकर्ता सोनम वांगचुक जल्द ही प्रदर्शन में शामिल होंगे और उनके समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि देश का युवा अब नहीं डरेगा। वहीं बड़ी संख्या में एकत्र हुए छात्रों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। सुबह दिल्ली पहुंचे दीपके ने समर्थकों से अनुशासन बनाए रखने और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण रखने का आग्रह किया। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी इस प्रदर्शन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अगर दीपके को गिरफ्तार किया गया तो वह छह सप्ताह का अनशन करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के मद्देनजर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार को कॉकरोच जनता पार्ट के संस्थापक अभिजीत दीपके प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए जिनमें अधिकतर युवा हैं। इनमें से कई लोग कॉकरोच के मुखौटे पहने नजर आए और उनके हाथों में फूल थे। स्कूली छात्र भी अपने माता-पिता के साथ प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे। इसमें शामिल लोगों में ज्यादातर स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्रा और युवा हैं।

दीपके ने एक्स पर एक पोस्ट में जंतर-मंतर पर समर्थकों से मुलाकात को लेकर उत्सुकता व्यक्त की और उन्हें एक किताब और राष्ट्रीय ध्वज लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने प्रदर्शन में हिस्सा लेने आने वाले लोगों से पुलिसकर्मियों को करुणा और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में फूल देने आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन प्रेम और शांति के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा- मैं पहुंच गया।

बता दें यह प्रदर्शन सीजेपी द्वारा आयोजित किया जा रहा है जो युवाओं के नेतृत्व वाली एक ऑनलाइन मुहिम है। इस प्रदर्शन के जरिए सीजेपी नीट, सीबीएसई, सीयूईटी और एसएससी समेत कई भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के लिए जवाबदेही की मांग कर रहा है। प्रदर्शन के मद्देनजर कानून व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए दिल्ली में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत उनकी मांगों पर ध्यान देने के बजाय संगठन की सोशल मीडिया पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन को सामाजिक कार्यकर्ता और पूर्व आप नेता योगेंद्र यादव ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों के लिए कविता पढ़कर उनका उत्साह बढ़ाया।

सुरक्षा गार्डों की फायरिंग मामले में घिरे खान सर

-मामला दर्ज होने के बाद सर हुए भूमिगत

पटना (एजेंसी)। देश भर में चर्चित बिहार के कोचिंग शिक्षक फैसल खान उर्फ खान सर इस समय गंभीर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। उनके सुरक्षा कर्मियों द्वारा की गई फायरिंग के मामले में खान सर के खिलाफ हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। पुलिस की बढ़ती दबिश के बीच उनके कभी भी गिरफ्तार होने की संभावना जताई जा रही है, जिसके चलते खान सर फिलहाल भूमिगत हो गए हैं। बीती रात पटना पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापेमारी करती रही, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। इस बीच कयास लगाए जा रहे हैं कि वे गिरफ्तारी से बचने के लिए सीधे अदालत में आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

दूसरी तरफ, इस बड़ी कार्रवाई के बाद खान सर के कोचिंग संस्थान खान ग्लोबल स्टडीज के बाहर रात भर उनके समर्थकों और छात्रों की भारी भीड़ जमा रही। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस की गाड़ियां लगातार इलाके में गश्त करती रहीं। छात्रों के भारी हुजूम और संभावित आक्रोश को भांपते हुए प्रशासन बेहद फूंक-फूंककर कदम रख रहा है। शनिवार सुबह से ही कोचिंग सेंटर के आसपास सुरक्षा बलों की तैनाती काफी बढ़ा दी गई है, क्योंकि वहां छात्रों का जुटना लगातार जारी है। सूत्रों के मुताबिक, खान सर इस समय अपने वकीलों के जरिए कानूनी सलाह ले रहे हैं।

इस पूरे विवाद में नया मोड़ गुरुवार को तब आया, जब कोचिंग सेंटर पर हुए हमले के दौरान खान सर के निजी सुरक्षा गार्डों द्वारा फायरिंग करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो गार्डों को गिरफ्तार कर उनके हथियार जब्त कर लिए। पूछताछ में दोनों गार्डों ने स्वीकार किया कि उन्होंने खान सर के आदेश पर ही गोलियां चलाई थीं। इस कबूलनामे के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और पटना आईजी की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसके बाद खान सर पर शिकंजा कस दिया गया।

पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है और पुलिस अन्य पुख्ता सबूत जुटा रही है। जांच में जिनके खिलाफ भी साक्ष्य मिलेंगे, उन्हें निश्चित रूप से गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि पुलिस कानून-व्यवस्था बिगड़ने के डर से फूंक-फूंक कर बयान दे रही है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि खान सर की गिरफ्तारी तय मानी जा रही है। इससे पहले एक अन्य कोचिंग संचालक रोशन सर को भी इन्हीं गंभीर आरोपों के तहत जेल भेजा जा चुका है, जिसके कारण पुलिस सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सावधानी बरत रही है।

नड्डा ने खड़गे पर किया पलटवार, कहा- अधूरा ज्ञान देशहित के लिए खतरनाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) के आंकड़ों को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आंकड़े छिपाने के आरोप लगाए जाने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने तीखा जवाब देते हुए कहा कि अधूरी जानकारी के आधार पर राजनीति की जा सकती है, लेकिन देश का भला तथ्यों से होता है।

दरअसल, खड़गे ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा था, कि केंद्र सरकार महिलाओं और बच्चों से जुड़े स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण आंकड़े छिपा रही है। उन्होंने दावा किया कि एनएफएचएस-6 के आंकड़े सरकार की नीतिगत विफलताओं को उजागर करते हैं और इसी कारण उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए नड्डा ने कहा कि जनस्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है और इसे केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनएफएचएस-6 का डेटा भारत के स्वास्थ्य तंत्र में हुए व्यापक सुधारों और बदलावों को दर्शाता है। स्वास्थ्य मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उनके अनुसार, पहली तिमाही में प्रसव-पूर्व पंजीकरण का प्रतिशत 43.9 से बढ़कर 76.2 हो गया है। वहीं संस्थागत प्रसव का आंकड़ा 38.7 प्रतिशत से बढ़कर 90.6 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इसके अलावा प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की देखरेख में होने वाले जन्मों का प्रतिशत 46.6 से बढ़कर 91.3 तक पहुंच गया है। नड्डा ने कहा कि लाखों महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित प्रसव सेवाएं मिल रही हैं, जो देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्वास्थ्य यात्रा की असली कहानी प्रगति और सुधार की है, न कि निराशा की।

10 जून को पीएम मोदी रचेंगे इतिहास, जवाहरलाल नेहरू का तोड़ेंगे रिकॉर्ड

-सबसे लंबे समय तक लगातार पीएम पद पर बने रहने वाले बन जाएंगे नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 10 जून को भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय रचने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक दिन पर, वे स्वतंत्र भारत के इतिहास में लोकसभा चुनाव जीतकर सबसे लंबे समय तक लगातार पीएम पद पर बने रहने वाले नेता बन जाएंगे। इस उपलब्धि के साथ, नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 72 साल पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे, जो कांग्रेस पार्टी के लिए बड़ा राजनीतिक संदेश हो सकता है।

जवाहरलाल नेहरू 13 मई, 1952 को पहले आम चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद देश के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने 27 मई, 1964 को अपने निधन तक लगातार पद संभाला, और इस अवधि में उनका कार्यकाल कुल 4,397 दिनों का रहा। यह रिकॉर्ड अब तक भारत के किसी भी निर्वाचित प्रधानमंत्री द्वारा लगातार पद पर बने रहने का सबसे लंबा समय था।

वहीं, नरेंद्र मोदी ने 26 मई, 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। यदि वे अपना वर्तमान कार्यकाल पूरा करते हैं, तो 9 जून, 2026 को उनका कार्यकाल भी 4,397 दिनों का हो जाएगा, जो नेहरू के रिकॉर्ड के ठीक बराबर होगा। इसके ठीक अगले दिन, यानी 10 जून, 2026 को, प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल 4,398 दिनों का हो जाएगा। इसी के साथ वे निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर बने रहने वाले पहले नेता बन जाएंगे, एक ऐसा कीर्तिमान जो पहले कभी किसी ने नहीं बनाया।

पिछले कुछ वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस काल के कई बड़े राजनीतिक रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। जुलाई 2025 में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लगातार 4,077 दिनों तक प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया था। उस समय, वे लगातार कार्यकाल के मामले में नेहरू के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए थे, और अब वे नेहरू के इस विशिष्ट रिकॉर्ड को भी पार करने के लिए तैयार हैं।

हालांकि, कुल प्रधानमंत्री कार्यकाल के मामले में जवाहरलाल नेहरू अभी भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। नेहरू 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने थे और 27 मई, 1964 तक इस पद पर रहे। इस प्रकार, उनका कुल कार्यकाल लगभग 6,131 दिनों का रहा, जो आज भी भारत में किसी भी प्रधानमंत्री का सबसे लंबा कार्यकाल है। यह महत्वपूर्ण है कि 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता के समय देश में संविधान लागू नहीं हुआ था और न ही स्वतंत्र भारत के लिए कोई आम चुनाव हुआ था। 1946 में ब्रिटिश सरकार द्वारा संविधान सभा के गठन की प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसके बाद कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू को अपना नेता चुना।

इन ऐतिहासिक उपलब्धियों के साथ-साथ, पीएम मोदी ने एक और अहम कीर्तिमान अपने नाम किया है। वे लगातार तीसरी बार बहुमत से सत्ता में लौटने वाले पहले गैर-कांग्रेसी पीएम बने हैं। उन्होंने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार जीत दर्ज कर तीसरी बार पीएम का पद संभाला, जो

स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक अद्वितीय राजनीतिक उपलब्धि है।

मदनगीर में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर दुकानदार की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के अंबेडकर नगर स्थित मदनगीर इलाके में सोमवार की रात एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं गईं। हमले में निखिल नागर उर्फ निक्की (30) बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे कई गोलियां लगीं थीं। हमले के बाद परिजन उसे एम्स ट्रामा सेंटर ले गए, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्राइम टीम व एफएसएल को भी बुलाया गया। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन में जुटी है। शुरुआती जांच से पुलिस आशंका जता रही है कि रंजिश में निखिल पर हमला किया गया। परिजनों का कहना है कि डेढ़ माह पूर्व ही निखिल हत्या के एक मामले में जेल से बाहर आया था। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि निखिल नागर परिवार के साथ मदनगीर, अंबेडकर नगर में रहता था। वह घर के पास ही चिकन बेचने की दुकान चलाता था। सोमवार रात करीब 8.30 बजे दुकान पर मौजूद निखिल पर बदमाशों ने आते ही गोलियां चला दीं और फरार हो गए। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने शाहबाद डेयरी इलाके में मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है और वे अस्पताल में इलाजरत हैं। दोनों ओर से 11 राउंड गोलियां चलीं। मुठभेड़ के दौरान जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी बाल-बाल बचे। एक गोली उनके बुलेट प्रूफ जैकेट पर लगी। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मोहम्मद इरफान और ऐश्वर्य पांडे के रूप में हुई है। दोनों बवाना इलाके में एक माह पहले लूटपाट के दौरान कारोबारी वैभव गांधी की हत्या के आरोप में वांछित थे। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पश्चिम परिक्षेत्र के संयुक्त आयुक्त ने पुलिस मुख्यालय में हुई प्रेसवार्ता ने बताया कि 9 फरवरी को बदमाशों ने बवाना सेक्टर-4 इलाके में कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या और लूटपाट का मामला दर्ज कर पुलिस ने 15 फरवरी को पांच बदमाशों रवि, संजय, अरुण, संदीप और हरीश को गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ में पता चला कि वारदात में मोहम्मद इरफान और ऐश्वर्य पांडे भी शामिल थे। दोनों बदमाशों पर दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिले की नारकोटिक्स टीम को निगरानी के दौरान सोमवार की रात दोनों बदमाशों के शाहबाद डेयरी इलाके में मौजूदगी का पता चला। पुलिस उपायुक्त स्वामी की देखरेख में निरीक्षक गौरव चौधरी के नेतृत्व में टीम बनाकर पुलिस ने बाइक से आए बदमाशों को रोका, जिस पर बदमाश छह राउंड गोलियां चलाकर, वहां से भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने बचाव में पांच गोलियां चलाईं। बदमाशों के पैर में गोली लगी और वे बेहोश हो गए। दोनों को पास के अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद क्राइम और फोरेंसिक टीम ने वहां से साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि बदमाशों के कब्जे से दो पिस्टल, चार कारतूस, छह खोखा और समयपुर बादली इलाके से चोरी बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय मोहम्मद इरफान चांद बाग का रहने वाला है। उसपर 40 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसमें हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट, लूटपाट, डकैती, चोरी और झपटमारी के मामले शामिल हैं। इनमें से 32 मामले दिल्ली और 8 उत्तर प्रदेश में दर्ज हैं। वहीं, वर्षीय ऐश्वर्य पांडे डिफेंस कॉलोनी भोपुरा चौक हिंडन मोड़, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है।

उसपर हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और चोरी के पांच मामले दर्ज हैं, जिसमें 4 उत्तर प्रदेश और एक दिल्ली में दर्ज है।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

प्रेमिका ने शादी के किया इनकार तो पूरे परिवार पर बरपाया कहर

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में एक युवती ने प्रेमी से शादी से क्या इनकार किया आरोपी आग बबूला हो गया। आरोपी अपने परिवार व रिश्तेदारों के साथ युवती के घर पहुंच गया। वहां परिवार के साथ गाली-गलौज करने के बाद आरोपी ने युवती के पिता पर हमला कर दिया। आरोपी पिता को बुरी तरह पीटने लगे। युवती और उसकी मां बचाने आई तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। आरोपी ने पत्थर से युवती के सिर पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। हमले में युवती व उसके पिता को गंभीर चोट लगी। दोनों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने युवती के बयान पर आरोपी देव, ममता, मानसी और आदित्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। हमला करने के बाद से वह फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। पीड़िता का आरोप है कि देव ने उससे कहा कि यदि उसने किसी और से शादी की तो वह उसे मार देगा। पुलिस इसकी भी पड़ताल कर रही है। पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय पीड़िता परिवार के साथ मंडोली एक्सटेंशन में रहती है। पीड़िता ने बताया कि कुछ समय पूर्व उसकी पहचान देव नामक युवक से हुई थी। जल्दी ही दोनों की दोस्ती प्यार में बदली। देव युवती से शादी करना चाहता था, लेकिन देव की आदतों को देखकर युवती ने उससे शादी से इनकार कर दिया। आरोप है कि पांच मार्च देर रात को आरोपी मां ममता, बहन मानसी, जीजा आदित्य व अन्यों के साथ पीड़िता के घर पहुंचा। आरोपी ने परिजनों को गाली देना शुरू कर दिया। पिता बाहर निकले तो उन पर हमला कर दिया गया। इसके बाद पीड़िता व उसकी मां को भी निशाना बनाया गया। बाद में आरोपी भाग गए। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डीयू में प्रदर्शनों पर रोक के आदेश पर हाईकोर्ट ने उठाए सवाल, डीयू और पुलिस से मांगाव जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आदेशों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि विरोध-प्रदर्शन, जुलूस और सभाओं पर पूर्ण (ब्लैंकेट) प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि हमारी स्पष्ट राय है कि ब्लैंकेट बैन नहीं हो सकता। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया और मामले में डीयू और पुलिस को एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने गुरुवार को इस मामले की सुनवाई की। याचिका डीयू लॉ फैकल्टी के छात्र उदय भदौरिया ने दायर की है, जिसमें 17 फरवरी 2026 को प्रॉक्टर कार्यालय द्वारा जारी अधिसूचना को चुनौती दी गई है। इस अधिसूचना में विश्वविद्यालय परिसरों और संबद्ध कॉलेजों में पांच या अधिक व्यक्तियों की सभा, सार्वजनिक बैठकें, जुलूस, प्रदर्शन, धरना या किसी भी प्रकार की आंदोलन को एक महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था। यह आदेश यूजीसी इक्विटी गाइडलाइंस (जातिगत भेदभाव रोकने संबंधी) के समर्थन में हुए छात्र प्रदर्शनों के दौरान हुई झड़पों के बाद जारी किया गया था। याचिकाकर्ता के वकीलों ने तर्क दिया कि यह आदेश संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता) और अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) का उल्लंघन है। यह अनुपातहीन है और शैक्षणिक चर्चा पर ठंडा प्रभाव डालता है। कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि सार्वजनिक बैठकें, रैलियां, जुलूस, प्रदर्शन, धरना या किसी भी प्रकार का आंदोलन आप (डीयू) इसमें शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को भी शामिल कर रहे हैं। इसे कितना जायज ठहरा सकते हैं? इस आदेश की क्या आवश्यकता थी? यदि धारा 144 का उल्लंघन हुआ तो पुलिस कार्रवाई करती, आपको यह आदेश क्यों जारी करना पड़ा? पीठ ने छात्रों के आचरण पर भी टिप्पणी की और कहा कि अनुच्छेद 19 के तहत मिली स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं किया जा सकता।

बच्चे की चाह में दंपती ने कर लिया आठ माह के मासूम को अगवा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में बच्चे की चाह में एक दंपती ने आठ माह के मासूम को अगवा कर लिया। आरोपी दंपती बच्चा लेकर गायब हो गए। शिकायत मिलते ही पुलिस ने कई टीमों का गठन किया और दो दिन के भीतर मासूम को रूप नगर इलाके से ढूंढ निकाला। मासूम को सकुशल बरामद कर लिया गया। मामले में पुलिस ने दंपती को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान अनीता (30) और इसके पति पवन (31) के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने खुलासा किया है कि शादी के तीन साल बाद जब इनके यहां बच्चा नहीं हुआ तो इन लोगों ने बच्चे की चाह में मासूम को अगवा कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि 9 मार्च को खजूरी खास थाने में 45 साल की महिला ने शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि वह खजूरी खास फ्लाईओवर के नीचे रहती है। शाम करीब साढ़े चार बजे करीब 35 साल की एक अज्ञात महिला खाने का लालच देकर उसके 8 माह के बेटे को अपने साथ ले गई और मौके से फरार हो गई। फौरन मामला दर्ज कर तीन टीमों का गठन किया गया। टीम ने मौके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसके अलावा पीड़ित महिला से बातचीत की गई। उसने बताया कि आरोपी महिला पिछले तीन-चार दिनों से उसके पास आ रही थी। वह कभी बच्चे को चॉकलेट देती तो कभी कुछ खाने-पीने को दे रही थी। 9 मार्च को महिला आई और जन्मदिन का केक देने के बहाने वह बच्चे को अगवा कर साथ ले गई।

जमीन में एक-एक कर समाई दर्जनों गाड़ियां, बारिश के बाद का खौफनाक मंजर; हर एक तस्वीर खड़े कर देगी रोंगटे

आगरा। मुख्यमंत्री के नाम पर सड़कों के विकास के लिए शुरू की गई सीएम ग्रिड योजना के निर्माण कार्य एक ही बारिश में बह गए। बसई मंडी से इंद्रापुरम और इंद्रापुरम से अमर होटल तक सीएम ग्रिड की निर्माणाधीन सड़कें के बारिश में धंसने से 12 कारें और वैन पलट गईं। तीन से चार फीट तक धंसीं सड़कों के गड्ढों में वाहन फंस गए, जिन्हें शाम तक हाइड्रा मशीन मंगाकर निकलवाया गया। गड्ढों में वाहन गिरने से कई लोग घायल हो गए। बारिश के कारण नाले उफनाने से सड़कों पर दो फीट तक जलभराव हो गया। सीएम ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सीएम ग्रिड) योजना के तहत नगर निगम ने काम शुरू कराया है। बसई रोड से इंद्रापुरम रोड तक के हिस्से में 10 फीट गहराई पर यूटिलिटी डक्ट, सीवर और पानी की लाइनें बिछाई गई हैं। लाइनें बिछाकर मिट्टी और गिट्टी बिछा दी गई। पार्षद दीपक वर्मा ने बताया कि सोमवार रात की बारिश में सड़क पानी से लबालब हो गई। सुबह कार चालक यहां से निकले तो वह पानी भरा देखकर गड्ढों को भांप नहीं सके और इनमें फंसते चले गए। करीब 12 कारें और वैन इन गड्ढों में फंसने के बाद पलट गईं। गनीमत रही कि चालक बाल-बाल बच गए। उन्हें क्षेत्रीय लोगों ने जैसे-तैसे बाहर निकाला। पूरी सड़क दलदल में तब्दील हो गई। दलदल में बदल गई सड़क पर टोरंट की मरम्मत वैन और कचरा उठाने वाली गाड़ियां भी फंस गईं। टोरंट पावर की टीम इंद्रापुरम में फॉल्ट ठीक करने के लिए जा रही थी। अचानक चारों पहिये धंस गए। वैगन-आर कार यहां गड्ढों में फंसकर पलट गई। इसमें सवार तीन लोगों को क्षेत्रीय लोगों ने बाहर निकाला, उन्हें मामूली चोट आई। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने ताजगंज क्षेत्र में सीएम ग्रिड के काम की दुर्दशा देखी। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण सीएम ग्रिड के विकास कार्य प्रभावित हुए हैं, उनकी प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत कराई जाएगी। जिन स्थानों पर सड़क धंसने से गड्ढे बन गए हैं, उन्हें तत्काल भरकर यातायात के लिए सुरक्षित बनाया जाए। इस दौरान चीफ इंजीनियर अरविंद श्रीवास्तव और अवर अभियंता कृष्ण गोपाल मौजूद रहे। ताजमहल के पास पुरानी मंडी से शाहजहां पार्क के बीच नमामि गंगे योजना के तहत बिछाई गई सीवर लाइन वाला हिस्सा बारिश के बाद धंस गया। पुरानी मंडी से किले के बीच पांच जगह 15 फीट तक चौड़े और 4 से 8 फीट गहरे गड्ढे हो गए। इससे रोड पर वाहनों का आवागमन रोक दिया गया। ताजगंज निवासी राजेश राठौर ने सुबह सड़क जगह-जगह धंसी देखी तो बैरिकेडिंग लगाकर वाहन चालकों को सतर्क किया। जलनिगम के नमामि गंगे प्रोजेक्ट मैनेजर आरपी सिंह ने बताया कि बारिश के कारण सीवर लाइन वाले हिस्से में मिट्टी धंसी है। ठेकेदार को सड़क की मरम्मत और बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं। आवास विकास कॉलोनी के सेक्टर-4 में पुलिस चौकी के पास सीवर लाइन लीक होने से गहरा गड्ढा हो गया। इसमें सोमवार को पुलिस चौकी पर सीज करके लाई गई 7000 ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क धंसने से समा गई। मंगलवार दोपहर में मशीन मंगवाकर ट्रैक्टर-ट्रॉली को निकलवाया गया। रात में बारिश और सीवर लीकेज के कारण गड्ढे में पानी भर गया। ईंटें गिरने से पीएनजी और पानी की 18 इंच की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इससे आवास विकास कॉलोनी में पानी का संकट बना रहा। सोमवार रात को टूटी पानी की लाइन की मरम्मत का काम मंगलवार शाम को ट्रैक्टर-ट्रॉली निकालने के बाद शुरू कराया गया। जलकल विभाग के कार्यवाहक महाप्रबंधक संघभूषण ने बताया कि गड्ढे में भरे पानी को निकलवाया गया। 18 इंच पाइप लाइन से पूरे आवास विकास को आपूर्ति की जाती है। देर रात तक मरम्मत कार्य पूरा होने के आसार हैं। वहीं लीकेज सीवर लाइन का काम वीए टेक वबाग को सौंपा गया है। कंपनी जांच के बाद यहां करीब 70-80 मीटर हिस्से में सीवर लाइन बदलेगी। पीएनजी लाइन भी ठीक करा दी गई।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

दिन में सिहरन महसूस कराएंगी ठंडी हवाएं, पारा होगा 8 डिग्री तक दर्ज

नई दिल्ली। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी में ठंडी हवाएं चल रही है। ऐसे में सोमवार को आसमान अधिकतर साफ रहेगा। सुबह के समय कुछ जगहों पर हल्का कोहरा रहेगा। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 और 09 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहेगा। ऐसे में लोगों को सुबह-शाम ठंडक का अहसास होगा। साथ ही, दिन में ठंडी हवाएं लोगों को परेशान करेगी। इधर, रविवार को सुबह से ही मौसम में ठंडक बनी हुई थी। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वैसे-वैसे दिन में सूरज की गर्मी का हल्का अहसास हुआ। इसी बीच अधिकतम तापमान 24.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो मौसम के औसत से 2 डिग्री कम है। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 100 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 41 प्रतिशत रही। वहीं, रिज सबसे ठंडा इलाका रहा। यहां न्यूनतम पारा 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा, लोधी रोड में 10, पालम में 8.6 और आया नगर में 9.7 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, 2 दिसंबर से लेकर 6 दिसंबर तक का मौसम पूर्वानुमान यह है कि 2 दिसंबर को दिन का तापमान 24-26 और रात का तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस रहेगा और हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 00-05 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी। इस दिन आसमान साफ रहेगा, हालांकि सुबह हल्का कोहरा हो सकता है। 3 दिसंबर को भी आसमान साफ रहेगा, तापमान 23-25 और 09-11 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हल्का से मध्यम कोहरा सुबह हो सकता है। 4 दिसंबर को हल्के बादल छाए रहेंगे और तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जबकि सुबह हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। 5 दिसंबर को भी ज्यादातर साफ आसमान रहेगा, तापमान 22-24 और 07-09 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा और सुबह हल्का से मध्यम कोहरा हो सकता है। 6 दिसंबर को भी साफ आसमान और हल्के से मध्यम कोहरे की संभावना है, तापमान 23-25 और 08-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। इस दौरान हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से 05-10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलेंगी।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR -2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सढौरा से कांग्रेस विधायक के पति भाजपा में हुए शामिल,मुख्यमंत्री नायब सैनी ने किया स्वागत

एजेंसी

यमुनानगर। सढौरा से कांग्रेस विधायक रेणु बाला के पति मुख्यमंत्री नायब सैनी की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। रेणु बाला इस कार्यक्रम से दूर रहीं। कांग्रेस के साथ लगातार बढ़ रही दूरियों के चलते भाजपा ने अब बागी विधायकों को तवज्जो देनी शुरू कर दी है। इससे पहले भी राज्य सभा चुनाव के दौरान क्रास वोटिंग का आरोप झेलने वाले विधायकों को भाजपा अपने कार्यक्रमों में मंत्रियों के साथ विशेष अतिथि बना चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने साढौरा विधानसभा क्षेत्र के गांव व्यासपुर पहुंचकर पूर्व कांग्रेसी नेता एवं इंजीनियर ऋषिपाल तथा उनके समर्थकों का भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने इसे भाजपा की नीतियों और विकास कार्यों में बढ़ते जनविश्वास का प्रतीक बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा किया है और शेष संकल्पों को भी निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने जनहित की अपेक्षा अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी, जबकि भाजपा सुशासन और विकास के एजेंडे पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा देश का ऐसा राज्य है जहां सर्वाधिक फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही हैं।

योग हमारी सनातन संस्कृति का अनमोल उपहार है : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग हमारी सनातन संस्कृति का वह अनमोल उपहार है, जो हमारे ऋषियों-मुनियों ने पूरी मानवता के कल्याण के लिए दिया है। भारत की हजारों वर्षों पुरानी योग परंपरा आज पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन चुकी है। एक समय था जब योग केवल आश्रमों और गुरुकुलों तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज विश्व के लगभग हर देश में योग किया जा रहा है। यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रमाण है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण और महिला छात्रावास के शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सबसे पहले श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण किया। इसके साथ ही सभी गणमान्य नागरिकों, अधिकारियों व आम नागरिकों ने भी लगभग 101

पौधे रोपित किए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 9 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र कम मल्टीपर्पज हॉल का उद्घाटन किया और करीब 8 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले बहुमंजिला महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने आयुष युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के स्टाइफंड को जल्द बढ़ाने का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के गीत को लॉच किया, विश्वविद्यालय की रिसर्च जनरल, पीएचडी शोध कार्य से संबंधित शोध गंगा पोर्टल सहित दो पुस्तकों का विमोचन किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आयुष विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के उपरांत अखंड गीता पीठ शाश्वत सेवाश्रम ट्रस्ट में महामंडलेश्वर डा. स्वामी शाश्वत नंद गिरी महाराज द्वारा आयोजित संपूर्ण सुंदर कांड पारायण एवं प्रवचन समारोह में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र भारत की आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। यह वह भूमि है, जहां भगवान श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन के माध्यम से मानव मात्र को कर्म, ज्ञान और योग का अमर संदेश दिया था। उन्होंने गीता में योग के बारे में कहा है कि योगः कर्मसु कौशल अर्थात् योग से कर्मों में कुशलता आती है। इसलिए योग की चर्चा जब कुरुक्षेत्र की धरती पर होती है, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि इस बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रखा गया है। यह थीम आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

हालसा मानसून सीज़न में राज्य में 10 लाख पौधे रोपित करेगा

एजेंसी

चंडीगढ़। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (हालसा) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति दीपक सिब्बल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हरियाणा भर में एक राज्यव्यापी वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान के तहत वन विभाग के सहयोग आगामी मानसून सीज़न के दौरान राज्य भर में लगभग 10 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। राज्यव्यापी अभियान का शुभारंभ करते हुए न्यायमूर्ति दीपक सिबल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरियाणा के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के जिला एवं सत्र न्यायाधीशों-एवं-अध्यक्षों तथा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट्स-एवं-सचिवों से बातचीत करते हुए उन्हें पौधारोपण अभियान के संबंध में व्यापक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह पहल वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित गतिविधियों का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर बल देते हुए एक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल भविष्य को बढ़ावा देने और भावी पीढ़ियों के लिए जीवंत एवं स्वस्थ पर्यावरण की विरासत सुनिश्चित करने में सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने न्यायालय परिसरों, एडीआर केंद्रों, न्यायिक आवासीय परिसरों तथा अन्य उपलब्ध सार्वजनिक स्थानों पर उपयुक्त स्थानों की पहचान करके जिलों में व्यापक वृक्षारोपण गतिविधियों को शुरू करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वृक्षों का संरक्षण और पोषण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उनका रोपण।

हिसार में रोडवेज कर्मियों की हड़ताल शुरू, रात्रि में नहीं चली बसें

हिसार। राज्य परिवहन के हिसार डिपो में 22 दिनों से धरना दे रहे कर्मचारियों ने अपने ऐलान के अनुसार बसों की नाइट सर्विस बंद कर दी और नारेबाजी करते यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है हुए धरने पर बैठ गए। नाइट सर्विस चलवाने व मध्यस्थता करने एसडीएम ज्योति मित्तल मौके पर पहुंची और सांझा संघर्ष समिति से जीएम को एक माह का समय देने की मांग करते हुए बसें चलाने व हड़ताल न करने की अपील की, जिसे कर्मचारियों ने मानने से इनकार कर दिया और कहा कि उनके मांगे कोई नई नहीं है बल्कि साढ़े तीन से बकाया है और वे केवल इंतजार ही कर रहे हैं। धरने के 22वें दिन रोडवेज कर्मचारियों ने अपने ऐलान के अनुसार बसों का संचालन शाम से बंद कर दिया और कोई बसें नाइट पर नहीं गई। इससे शाम के समय अपने गांवों की ओर जाने वाले यात्रियों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। सांझा संघर्ष समिति के नेता जोगेन्द्र पंघाल, अजय दुहन व संदीप जैनावास ने कहा कि यात्रियों को हो रही परेशानी के लिए सीधे रूप से महाप्रबंधक जिम्मेवार है। कर्मचारी बार-बार अपनी मांगे उठाकर आंदोलन के लिए चेताते हैं लेकिन महाप्रबंधक उन्हें केवल आश्वासन देकर टरका देते हैं, जिससे कर्मचारियों में रोष है।

भालौट व झज्जर सब ब्रांच के पुनर्निर्माण कार्य को मिली नई गति, किसानों और नहर विभाग के बीच बनी सहमति : श्रुति चौधरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के प्रयासों से भालौट सब ब्रांच एवं झज्जर सब ब्रांच के पुनर्निर्माण कार्य को लेकर लंबे समय से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो गया है। किसानों, ग्रामीणों और नहर विभाग के अधिकारियों के साथ लगातार संवाद एवं सकारात्मक पहल के परिणामस्वरूप सभी पक्षों के बीच महत्वपूर्ण सहमति बनी है, जिससे अब दोनों नहरों के पुनर्निर्माण कार्य को दोबारा गति मिलेगी।श्रुति चौधरी ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों की रक्षा करते हुए सिंचाई ढांचे को आधुनिक और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता तभी संभव है जब उसमें स्थानीय लोगों की भावनाओं, सुझावों और आवश्यकताओं का सम्मान किया जाए। इसी सोच के तहत किसानों की चिंताओं को गंभीरता से सुना गया और सभी पक्षों को साथ लेकर समाधान का रास्ता निकाला गया। गौरतलब है कि भालौट एवं झज्जर सब ब्रांच से जुड़े अनेक गांवों के किसानों और ग्रामीणों ने नहर के तल को पूरी तरह सीमेंट-कंक्रीट से पक्का किए जाने पर आपत्ति जताई थी। किसानों का कहना था कि ऐसा होने से भूजल पुनर्भरण (रिचार्ज) प्रभावित हो सकता है तथा क्षेत्र के जल संतुलन पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। किसानों की इन आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए नहर विभाग ने विभिन्न तकनीकी विकल्पों पर विचार-विमर्श किया और लगातार संवाद की प्रक्रिया जारी रखी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष गरीब, किसान, महिला, युवा वर्ग के उत्थान को समर्पित रहे हैं: डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कार्यकर्ताओं का जोश और समर्पण भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि पार्टी की विचारधारा और जनसेवा के संकल्प को घर-घर तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। डा. अर्चना गुप्ता ने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा मोदी और नायब सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता पानीपत स्थित भाजपा कार्यालय श्याम कमल में पानीपत शहरी विधानसभा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी। इस मौके पर डा. अर्चना गुप्ता ने मोदी सरकार के 12 वर्षों को बेमिसाल बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के ये 12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के पूर्ण होने पर सेवा अभियान चलाया जाएगा जिसमें अनेकों कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम की

शुरूआत दीप प्रज्जवलित करके की गई। कार्यक्रम से पहले डा. अर्चना गुप्ता और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने पार्टी कार्यालय श्याम कमल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से प्रकृति को सुरक्षित और हरा-भरा बनाए रखने की अपील की। डा. गुप्ता ने कहा कि हमारा एक छोटा सा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के उज्जवल और स्वस्थ भविष्य की नींव है। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि 7 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस दौरान भाजपा प्रदेशभर में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष देश के गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान को समर्पित रहे हैं। इन वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 21 जून तक व्यापक जनसंपर्क और जनकल्याण के अभियान चलाए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य मोदी सरकार की जनकल्याण की नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना है। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नरेंद्र मोदी राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ लगातार प्रधानमंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं। कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क अभियान चलेंगे, जिसमें केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, प्रदेश सरकार के मंत्री, संगठन के पदाधिकारी सक्रिय रूप से भाग लेंगे। इस दौरान वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, प्रगति पथ यात्राएं तथा विकसित भारत संकल्प से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

नायब सिंह सैनी ने दी बागवानी और कोल्ड चेन सेंटर की सौगात

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा को बागवानी, एग्री-बिजनेस, कोल्ड चेन, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि निर्यात के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी मिलकर कृषि को अधिक टिकाऊ, आधुनिक और लाभकारी बनाने, जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित करने का संकल्प लें। मुख्यमंत्री पंचकूला में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 2,738 करोड़ रुपये की लागत से जाईका वित्तपोषित सतत बागवानी संवर्धन परियोजना का शुभारंभ तथा हरियाणा एग्री बिजनेस एंड कोल्ड चेन सेंटर का शिलान्यास के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये दोनों परियोजनाएं न केवल किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, बल्कि हरियाणा की कृषि व्यवस्था को आधुनिक, टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी।

राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी एवं समान विकास की पक्षधर : कृष्ण बेदी

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि नरवाना तरक्की का नया सफर तय कर रहा है। क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की कार्य योजना तैयार हो चुकी है और इनके पूरा होने पर हलकावासियों को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी एवं समान विकास की पक्षधर है। इसका फायदा नरवाना को भी बराबर मिल रहा है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी एसडी महिला कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जलभराव की वर्षों पुरानी शहर वासियों की समस्या का लगभग 80 प्रतिशत स्थाई समाधान कर दिया गया है । इसके अलावा अन्य आधुनिक सुविधाओं से लैस ई लाइब्रेरी केएम राजकीय कॉलेज में बनाई जाएगी। इस लाइब्रेरी के निर्माण पर पांच करोड़ रुपये की राशि खर्च आएगी। प्रदेश में बनने वाली प्रमुख चार लाइब्रेरियों में से एक होगी, साथ ही केएम कॉलेज में आठ करोड़ रुपये की लागत से ऑडिटोरियम बनाने का भी प्रावधान है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम में बायोरिमेडिएशन परियोजना का किया उद्घाटन, एमआरएफ प्रोजेक्ट की रखी नींव

एजेंसी

गुरुग्राम। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुग्राम में राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और सतत विकास से जुड़ी विभिन्न पहलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर धनकोट स्थित लेग-3 पर बायोरिमेडिएशन पायलट परियोजना का उद्घाटन किया गया तथा सेक्टर-102 स्थित लायन पब्लिक स्कूल परिसर में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) परियोजना, नगर निगम गुरुग्राम द्वारा गुरुग्राम शहर के 170 पार्कों तक शोधित अपशिष्ट जल पाइप लाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों,

सामाजिक संगठनों एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े हितधारकों ने भागीदारी करते हुए पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम से केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा हरियाणा के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक सुविधाओं से संपन्न होने के बावजूद गुरुग्राम को स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में अभी और बेहतर करने की आवश्यकता है। यदि शहर वायु प्रदूषण और स्वच्छता की चुनौतियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर लेता है तो यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में शामिल हो सकता है। मनोहर लाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदूषण के सभी स्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हाल ही में लिए गए निर्णय के अनुसार एनसीआर क्षेत्र में बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 मानकों वाले पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा तथा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के स्क्रैपिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सार्वजनिक स्थलों, पुलिस परिसरों और अन्य स्थानों पर लंबे समय से खड़े अनुपयोगी एवं कबाड़ वाहनों के वैज्ञानिक निस्तारण के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और पुराने वाहनों से होने वाला प्रदूषण वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं, जिन पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए।

वोटर लिस्ट के गहन पुनरीक्षण में बीएलए की अहम भूमिका : एसडीएम

एजेंसी

झज्जर/बेरी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में बेरी स्थित लघु सचिवालय में बेरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के बी.एल.ए. के साथ एसडीएम रेणुका नांदल ने बैठक आयोजित कर आवश्यक जानकारी दी।

इस दौरान बी.एल.ए. की निर्वाचन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका एवं योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। एसडीएम रेणुका नांदल ने उपस्थित बी.एल.ए. को मतदाताओं से गणना प्रपत्र Enumeration Form भरवाने, अधिक से अधिक मतदाताओं की मैपिंग सुनिश्चित करने तथा मतदाताओं के बीच जागरूकता फैलाने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त बी.एल.ए. को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in तथा ईसीआई नेट एप्लीकेशन के बारे में जागरूक करें, ताकि मतदाता स्वयं भी अपने पिछले SIR विवरण की जानकारी प्राप्त कर सकें तथा ऑनलाइन गणना प्रपत्र भर सकें। उन्होंने बी.एल.ए.को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की विभिन्न प्रक्रियाओं, मैपिंग व्यवस्था तथा मतदाता जागरूकता गतिविधियों के संबंध में विस्तृत बताया।

उन्होंने बताया कि एक बीएलए द्वारा 50 से जायदा enumeration फॉर्म प्रति दिन जमा करवाने व दावे व आपत्ति के पीरियड के दौरान 10 दावे व आपत्ति प्रति दिन जमा करवा सकते है । पूरी अवधि के दौरान 30 दावे व आपत्ति के फॉर्म बीएलए 2 द्वारा बीएलओ को जमा करवाए जा सकते है। इस अवसर पर राजनीतिक दलों के बीएलए उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की बड़ी सौगातः पानीपत अस्पताल को 219 पद, कुरुक्षेत्र में स्वास्थ्य केंद्र होगा अपग्रेड

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। राज्य सरकार ने जहां 200 बेड के जिला नागरिक अस्पताल, पानीपत के लिए 122 नियमित पदों तथा 97 पद हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से भरने सहित कुल 219 पदों के सृजन एवं स्वीकृति प्रदान की है, वहीं जिला कुरुक्षेत्र के उप-स्वास्थ्य केंद्र थाना को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में अपग्रेड करने की मंजूरी भी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इन निर्णयों से लोगों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि पानीपत के 200 बेड के नागरिक अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 122 नियमित पद स्वीकृत किए

गए हैं। इनमें वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, डेंटल सर्जन, क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्सिंग स्टाफ, फार्मासिस्ट, लैब तकनीशियन, रेडियोग्राफर, ऑपरेशन थिएटर सहायक, डाइटीशियन, बायो मेडिकल इंजीनियर, सोशल वर्कर तथा जनसंपर्क अधिकारी सहित विभिन्न श्रेणियों के पद शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त अस्पताल की सहायक सेवाओं को मजबूत करने के लिए 17 डाटा एंट्री ऑपरेटर, 37 स्वीपर, 37 वार्ड सर्वेंट, 5 सुरक्षा गार्ड तथा 1 सुपरवाइजर के पद हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के माध्यम से भरे जाएंगे। इन पदों के सृजन से अस्पताल में मरीजों को अधिक प्रभावी एवं त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

वहीं कुरुक्षेत्र जिले के थाना उप-स्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अपग्रेड किए जाने से क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। नवस्वीकृत पीएचसी में एक मेडिकल ऑफिसर, एक महिला मेडिकल ऑफिसर, एक डेंटल सर्जन, एक फार्मासिस्ट, दो स्टाफ नर्स, एक लैब तकनीशियन, एक एमपीएचएस (पुरुष) तथा एक एमपीएचएस (महिला) सहित कुल 9 नियमित पद सृजित किए गए हैं। इसके अलावा तीन श्रेणी-घ कर्मचारियों की नियुक्ति एचकेआरएन के माध्यम से की जाएगी। आरती सिंह राव ने कहा कि इन दोनों निर्णयों से हजारों नागरिकों को लाभ मिलेगा।

सीपीए जोन-2 सम्मेलन की तैयारियां अंतिम चरण में, विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने दिया न्योता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के उत्तर भारत क्षेत्र के जोन-2 सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस क्रम में उन्होंने हरियाणा एवं पंजाब के राज्यपालों से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें सम्मेलन में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। बुधवार देर शाम हरियाणा लोक भवन में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष से मुलाकात के दौरान विस अध्यक्ष ने सम्मेलन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं तथा प्रमुख विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का उद्देश्य लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाना, संसदीय परंपराओं को मजबूती प्रदान करना तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य में लोकतंत्र की भूमिका पर सार्थक विमर्श को बढ़ावा देना है। इसके बाद हरविन्द्र कल्याण ने पंजाब विधान सभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां से भी शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं के बीच सम्मेलन में सहभागिता के साथ-साथ संसदीय कार्यप्रणाली, विधायी नवाचारों और विभिन्न व्यवस्थागत विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा हुई। पंजाब लोक भवन में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से भेंट कर उन्हें भी सम्मेलन का आमंत्रण दिया गया। राज्यपाल कटारिया ने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन पीठासीन अधिकारियों, विधायकों और विधान मंडलों के कार्य निर्वाहकों को नई दृष्टि, मार्गदर्शन तथा अनुभवों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र का उत्तर जोन-2 सम्मेलन 8 से 10 जून तक चंडीगढ़ में हरियाणा विधान सभा की मेजबानी में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों के पीठासीन अधिकारी, विधायक एवं संसदीय विशेषज्ञ लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

सूरजमुखी खरीद के लिए 60 दिन फिर खुलेगा पोर्टल : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत देते हुए घोषणा की है कि सूरजमुखी खरीद के लिए पोर्टल अगले 60 दिनों के लिए पुनः खोला जाएगा। मुख्यमंत्री पंचकूला में जाईका वित्तपोषित सतत बागवानी संवर्धन परियोजना का शुभारंभ तथा पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ किसान विभिन्न कारणों से सूरजमुखी बिक्री के लिए समय पर पंजीकरण नहीं करा सके थे। राज्य सरकार ऐसे किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र किसान अपनी उपज बेचने के अवसर से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोर्टल को अगले 60 दिनों के लिए पुनः खोला जाए ताकि किसान अपना पंजीकरण करवा सकें।

उन्होंने अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन तथा इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं लागू कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि पिपली चिड़ियाघर का 70 करोड़ रुपये तथा भिवानी चिड़ियाघर का 25 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक नवीनीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरस्वती संरक्षण वन में 55 करोड़ रुपये की लागत से पक्षी विहार का निर्माण किया जाएगा, जिससे 100 से अधिक स्थानीय एवं प्रवासी पक्षी प्रजातियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कलेसर राष्ट्रीय उद्यान में इको-टूरिज्म एवं वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से मूलभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय एवं प्रवासी पक्षियों के संरक्षण और पक्षी पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान, भिंडावास पक्षी अभयारण्य तथा कोटला झील को शामिल करते हुए एक विशेष पक्षी दर्शन पर्यटन सर्किट विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस वर्ष वन

विभाग द्वारा कुल 1.50 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा, जिनमें से 50 लाख पौधे निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। इसके साथ ही विभाग की सभी नर्सरियों में पौधे उगाने के लिए उपयोग किए जा रहे प्लास्टिक बैगों को बायोडिग्रेडेबल बैगों से बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि पौधागिरी अभियान के तहत इस वर्ष स्कूली बच्चों को 20 लाख पौधे वितरित किए जाएंगे ताकि पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाया जा सके।

मेवात क्षेत्र के समग्र विकास के लिए शिक्षा, कौशल विकास और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता : उपायुक्त

ज्योति दर्पण

नूंह। उपायुक्त एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेवात विकास प्राधिकरण (एमडीए) श्री अखिल पिलानी की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित सभागार में जिले में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा, खेल, कौशल विकास, पेयजल, पुस्तकालय, छात्रवृत्ति, साइबर जागरूकता तथा आधारभूत ढांचे से संबंधित विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि मेवात क्षेत्र के समग्र विकास के लिए शिक्षा, कौशल विकास और युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सभी स्वीकृत परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने तथा नियमित रूप से उनकी प्रगति की निगरानी करने के निर्देश दिए। बैठक में मेवात क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को प्रोत्साहन एवं वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने संबंधी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। मेवात उत्कृष्टता केंद्र स्थापित कर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराने तथा जिले में संचालित बुनियाद केंद्रों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने जिला मुख्यालय नूंह में आधुनिक पुस्तकालय स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए। इसके अलावा फिरोजपुर झिरका, पुन्हाना, तावडू तथा हथीन में भी पुस्तकालय स्थापित करने की संभावनाओं पर कार्य करने को कहा गया। बड़े गांवों में अध्ययन सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटे पुस्तकालय स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा हुई।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

वैश्विक तनाव, एफआईआई बिकवाली और आरबीआई के फैसलों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही। सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया। अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बढ़ी अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाया। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 700 अंकों से अधिक टूट गया और अंततः 304 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में भारी अस्थिरता रही। सेंसेक्स 74,544 के उच्च स्तर और 73,807 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में यह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन निवेशकों की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रही। शुरुआती तेजी के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई और सेंसेक्स 116 अंक गिरकर 74,243.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,366.70 के स्तर पर आ गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और ब्याज दरों से जुड़े संकेत बाजार की चाल तय करेंगे। फिलहाल निवेशकों को सतर्क रहकर गुणवत्ता वाले शेयरों पर फोकस करने की सलाह दी जा रही है।

एसबीआई ने अडानी की दो कंपनियों में 5747 करोड़ की हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की सहयोगी कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड ने खुले बाजार में हुए लेनदेन के जरिये अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में कुल 5,747.55 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी अमेरिकी निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स से खरीदी गई है। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज के 1,64,39,984 शेयर खरीदे, जो कंपनी की लगभग 1.3 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। इसके अलावा फंड ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के 63,65,796 शेयर भी खरीदे, जो कंपनी की करीब 0.52 फीसदी हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन शेयरों की खरीद 1,504.80 रुपये से 2,913.40 रुपये प्रति शेयर के दायरे में की गई। दोनों सौदों का कुल मूल्य 5,747.55 करोड़ रुपये रहा। एसबीआई म्यूचुअल फंड की ओर से कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के बाद अडानी इंटरप्राइजेज के शेयरों में तेल उछाल दिखने लगा है। शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 2.36 फीसदी उछाल के साथ 3,043 रुपये के भाव पर बंद हुए। इसी तरह, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में भी 3.87 फीसदी का उछाल दिखा और आखिरकार 1,578.80 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं। म्यूचुअल फंड हाउस के दांव लगाने के बाद खुदरा निवेशकों के सेंटिमेंट में भी बदलाव आता दिखाई दे रहा है।

क्रूड 2 डॉलर फिसला तो बदल गए पेट्रोल-डीजल के भाव

कई शहरों में भाव बढ़े तो कहीं हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से गिरावट आनी शुरू हो गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। इसका असर शनिवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। कई शहरों में शनिवार को तेल के खुदरा दाम नीचे आए हैं, जबकि कुछ जगहों पर इसकी कीमतों में उछाल दिख रहा है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदले हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 15 पैसे महंगा होकर 101.88 रुपये लीटर हो गया है तो डीजल 14 पैसे बढ़त के साथ 95.362 रुपये लीटर पहुंच गया है। नोएडा में पेट्रोल 46 पैसे सस्ता होकर 101.96 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 42 पैसे गिरावट के साथ 95.44 रुपये लीटर के भाव पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे महंगा होकर 113.54 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे महंगा होकर 99.54 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डॉलर टूटकर 93.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरा है और वैश्विक बाजार में अब 90.54 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल के भाव 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में

पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 108.01 रुपये और डीजल 99.78 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 113.47 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर हैं।

बैंकिंग विशेषज्ञों ने कहा- आरबीआई के रेपो दर स्थिर रखने के फैसला संतुलित कदम

मुंबई ।

बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के निर्णय को संतुलित और विवेकपूर्ण कदम बताया है।

बैंकरों का कहना है कि यह निर्णय पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊंची ऊर्जा कीमतों के बीच आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की सोच को दर्शाता है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन एवं भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने कहा कि विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए एफसीएनआर (बी) जमा, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशों से उधारी और इक्विटी निवेश से जुड़े जो उपाय घोषित किए गए हैं, वे समयोचित और व्यापक हैं। इन कदमों से पूंजी प्रवाह में वृद्धि होगी, बॉन्ड बाजारों का विस्तार होगा, नकदी में सुधार आएगा और रुपये को मजबूती मिलेगी। बैंकिंग विशेषज्ञों ने कहा कि इन कदमों से बाजार में नकदी में सुधार होगा और रुपये को मजबूती मिलेगी। इंडियन ओवरसीज बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि अर्थव्यवस्था जुझारूपन दिखा रही है और वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। फिर भी पश्चिम एशिया में तनाव और ऊंची ऊर्जा कीमतों को देखते हुए सतर्क रुख अपनाना उचित है।

एटीएम पर मंडराया कैश संकट, देशभर में नकदी निकासी सेवाएं प्रभावित होने का खतरा

-मार्च-अप्रैल में जरूरत से काफी कम नकदी मिली, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बावजूद नकदी की जरूरत पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। ऐसे में एटीएम में नकदी की कमी की खबर चिंता बढ़ाने वाली है। एटीएम उद्योग के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ एटीएम इंडस्ट्री (कैटमी) ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले महीनों में कई क्षेत्रों में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। संगठन ने इस संबंध में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कैटमी के अनुसार देश के विभिन्न राज्यों में एटीएम संचालकों को बैंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट से पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है।

अमेरिका के रिटेल सेक्टर से भारतीय आईटी कंपनियों को राहत, पर खतरा बरकरार

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर बढ़ सकता है दबाव

नई दिल्ली ।

अमेरिका की बड़ी रिटेल कंपनियों का कारोबार सुधर रहा है और तकनीक पर खर्च भी बढ़ रहा है। इससे भारतीय आईटी कंपनियों को नए प्रोजेक्ट मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर दबाव भी बढ़ सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का खर्च मजबूत बना हुआ है। लोग अभी भी खरीदारी कर रहे हैं, खासकर ऑनलाइन और कम कीमत वाले उत्पादों पर। इसी वजह से कई बड़ी रिटेल कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला है। अधिकांश कंपनियों ने पूरे साल के लिए अपने अनुमान बरकरार रखे हैं या उन्हें बढ़ाया है। कॉस्टको, वॉलमार्ट और टारगेट जैसी कंपनियों ने तिमाही के दौरान मजबूत प्रदर्शन किया। ऑनलाइन बिक्री में तेजी और उपभोक्ताओं की लगातार खरीदारी ने इनके कारोबार को सहारा दिया। वहीं मैसीज़ और बेस्ट बाय जैसी कंपनियों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि कंपनियां अभी भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। उन्हें चिंता है कि टैक्स रिफंड का फायदा धीरे-धीरे खत्म होगा, जबकि ऊंची ऊर्जा कीमतें और वैश्विक तनाव आगे कारोबार को प्रभावित कर सकते हैं। रिटेल कंपनियों की रणनीति में एक बड़ा बदलाव यह देखने को मिला है कि अब एआई सिर्फ प्रयोग या पायलट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कंपनियां इसे सीधे अपने कारोबार में लागू कर रही हैं ताकि लागत कम हो, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़े और मुनाफा सुधरे। यानी

एआई अब खर्च बढ़ाने वाली तकनीक नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने और मार्जिन सुधारने का जरिया बनता जा रहा है।

यही बदलाव भारतीय आईटी कंपनियों के लिए चुनौती भी बन सकता है।

अब कई ऐसे काम, जो पहले बड़ी आईटी टीमों के जरिए किए जाते थे, एआई की मदद से तेजी और कम लागत में पूरे हो रहे हैं। इसका असर खासकर एप्लिकेशन सपोर्ट, टेस्टिंग, क्वालिटी एश्योरेंस, रिपोर्टिंग और मेंटेनेंस जैसी सेवाओं पर पड़ सकता है।

ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनसे भारतीय आईटी कंपनियों को लंबे समय से बड़ा कारोबार मिलता रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के रिटेल और कंज्यूमर कारोबार में पिछले कुछ महीनों के दौरान सुधार देखने को मिला है।

100 अरब डॉलर के पार जा सकता है सकल एफडीआई- आरबीआई

जीडीपी के मुकाबले ऊपर की ओर बढ़ रहा है निवेश का अनुपात

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2027 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 100 अरब डॉलर से ज्यादा आने की उम्मीद है। इसके लिए उन्होंने मजबूत निवेश गतिविधियों को हवाला दिया। मौद्रिक नीति के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल एफडीआई 95 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इससे पता चलता है कि विदेशी पूंजी का आना मजबूत बना रहेगा और इस साल यह 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है। निजी पूंजी के आंकड़े असल में बहुत अच्छे रहे हैं। जीडीपी के मुकाबले निवेश का अनुपात ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इसलिए ये आंकड़े अच्छे बने हुए हैं। अगर हम भुगतान संतुलन की बात करें, तो 2025-26 में सकल एफडीआई निवेश 95 अरब डॉलर था और इस साल यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। निश्चित रूप से यह 100 अरब डॉलर के पार और यहां तक कि 110 अरब डॉलर, 120 अरब डॉलर भी हो सकता है। यह एक निरंतर बढ़ोतरी है, जिसका मतलब है कि यह सिर्फ एक साल का मामला नहीं है। आने वाले वर्षों में एफडीआई के जरिये और ज्यादा निवेश देखने को मिलेगा। वित्त वर्ष 2026 में सकल एफडीआई आवक 17 फीसदी बढ़कर 95 अरब डॉलर रही। मार्च में एफडीआई प्रवाह 1.57 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले दर्ज की गई 50.2 करोड़ डॉलर की निकासी के उलट था। लेकिन यह फरवरी के स्तर से कम था। सकल प्रवाह में मजबूती के बावजूद विदेशी निवेशकों के पैसा वापस ले जाने और भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश बढ़ने के कारण शुद्ध एफडीआई कमजोर बना हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि सकल एफडीआई का आंकड़ा बहुत शानदार रहा है और हो सकता है कि इस साल यह 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाए। अहम बात यह है कि वापस आने वाली रकम कितनी रहती है। एक तीसरा पहलू यह भी है कि भारतीय कंपनियों ने विदेश में अपना निवेश बढ़ाया है, चाहे अपनी सहायक कंपनियों में हो या फिर वहां दूसरी कंपनियों को खरीदने के लिए। इसलिए शुद्ध आंकड़ा जो बैलेंस ऑफ पेमेंट्स के नजरिये से सबसे जरूरी है, पिछले दो साल से 10 अरब डॉलर से भी कम रहा है, जो कि काफी कम है। पिछले पांच साल में भारत में एफडीआई का आना एक चक्र की तरह रहा है। वित्त वर्ष 2022 में तेजी से बढ़ने के बाद वित्त वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी, ऊंची ब्याज दरों और भूराजनीतिक अनिश्चितता के कारण इसमें कमी आई।

मोबाइल रिचार्ज फिर हो सकता है महंगा

नई दिल्ली ।

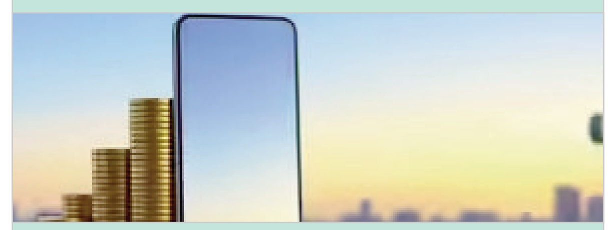

मोबाइल उपभोक्ताओं को अगले 3 से 6 महीनों में रिचार्ज करना महंगा पड़ सकता है। एक टेलीकॉम एनालिस्ट के मुताबिक टैरिफ में करीब 10 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि महंगे प्लान्स की ओर ग्राहकों के बढ़ने से कंपनियों का एआरपीयू भी लगातार बढ़ रहा है, जबकि भारती एयरटेल की फंड जुटाने की संभावनाएं भी मजबूत दिख रही हैं। उनका कहना है कि महंगाई से जुड़ी चिंताओं के बावजूद टैरिफ बढ़ोतरी को ज्यादा समय तक टाला जाना मुश्किल दिख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि टेलीकॉम कंपनियों को बहुत बड़ी टैरिफ बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों में टैरिफ बढ़ने का असर एवरेज रेवेन्यू पर यूजर पर काफी पॉजिटिव रहा है। यानी कंपनियां सीमित टैरिफ बढ़ोतरी के जरिए भी अपनी प्रति ग्राहक कमाई में अच्छी बढ़ोतरी करने में सफल रही हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार में घंटेभर में 190 लाख करोड़ हुए स्वाहा

डाउ जोंस इंडस्ट्रियल 1 फीसदी तो एसएंडपी 500 2.4 फीसदी की गिरावट दिखी पर बंद

वाशिंगटन ।

अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को महज घंटेभर में ही 2 निवेशकों के 2 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 190 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। वॉल स्ट्रीटी पर यह साल 2026 की सबसे बड़ी गिरावट रही है।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच आए अमेरिकी जॉब मार्केट के आंकड़ों ने निवेशकों पर ऐसा असर डाला कि दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार हिल गया और देखते ही देखते गिरावट ब्लडबाथ में बदल गई।

वॉल स्ट्रीट के तीनों ही एक्सचेंज डाउ जोंस, एसएंडपी 500 और नैस्डैक पर भारी बिकवाली हुई।

अमेरिकी जॉब मार्केट के आंकड़े अनुमान से भी ज्यादा मजबूत दिखे, जिसकी वजह से निवेशकों में यह संदेश दिखा कि फेडरल रिजर्व अपनी ब्याज दरों को आगे भी ऊंचा बनाए रखेगा। बस इस खबर ने निवेशकों के सेंटिमेंट पर ऐसा असर डाला कि उन्होंने ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू कर दी और देखते ही देखते गिरावट ब्लडबाथ में बदल गई। कुछ ही समय में शेयर बाजार की गिरावट 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह आंकड़ा पिछले कुछ समय से यूएस मार्केट में आई गिरावट में सबसे ज्यादा रही है। वॉल स्ट्रीट के तीनों ही बड़े इंडेक्स शुक्रवार के कारोबार में गिरावट पर बंद हुए। टेक्नोलॉजी के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली दिखी।

डाउ जोंस इंडस्ट्रियल 1 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ तो एसएंडपी 500 पर भी 2.4 फीसदी की गिरावट दिखी।

इसके अलावा नैसडैक कम्पोजिट भी 4 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। बोर्डकॉम के शेयरों में तो 7 फीसदी की गिरावट दिखी है।

अमेरिकी शेयर बाजार में आई इस तेज गिरावट की एक ही वजह वहां के जॉब मार्केट का मजबूत होना है। शुक्रवार को आए जॉब मार्केट के आंकड़े अनुमान से भी ज्यादा मजबूत रहे।

इससे निवेशकों में यह संदेश गया कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में फिलहाल कटौती नहीं करने वाला और रेट ऊंचा ही बना रहेगा। निवेशकों को यह भी लगा कि अब ब्याज दरों में कटौती की संभावना इस साल के आखिर में ही दिख रही है।

ब्रिटेन के विदेश सचिव ने समुद्री और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा वार्ता की सराहना की

लंदन ।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री येवेट कूपर की भारत यात्रा से समुद्री सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि और वैश्विक आर्थिक झटकों से आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित रखने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूती मिली है। ब्रिटेन सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कूपर ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बारे में ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि यह मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के बीच सहमत भारत-ब्रिटेन विजन 2035 के अनुसार गहन सहयोग के लिए रणनीतिक दिशा और दृष्टिकोण पर आधारित थी। वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर मिलकर काम करने और इसके बंद होने से अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।एफसीडीओ ने कहा, 'इसी के तहत, विदेश मंत्री ने एक नए क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र (आरएमएससीई) का सह-उद्घाटन किया, जिससे समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय झटकों से निपटने की क्षमता के मामले में भारत के साथ ब्रिटेन के सहयोग को मजबूती मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिज भी भारत में कूपर की वार्ता का एक प्रमुख हिस्सा थे।

दुनिया तेजी से अमेरिकी डॉलर और यूरो पर कम कर रही है निर्भरता- पुतिन

रूस अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्राओं में बढ़ा रहा है व्यापार

मास्को ।

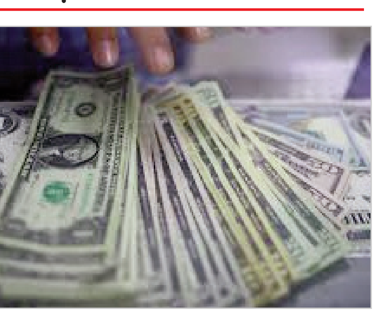

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दुनिया तेजी से अमेरिकी डॉलर और यूरो पर निर्भरता कम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रतिबंधों, संपत्तियों को फ्रीज करने और वित्तीय दबाव की वजह से कई देश अब अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार को प्राथमिकता दे रहे हैं। सेंट पीटसबर्ग इंटरनेशनल इकानोमिक फोरम (एसपीआईईएफ) में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि रूस के विदेशी मुद्रा भंडार और संपत्तियों को फ्रीज किए जाने से दुनिया के कई देशों का पश्चिमी वित्तीय प्रणाली पर भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि जब किसी देश की वैध संपत्तियों तक पहुंच रोकी जा सकती है, तो अन्य देश भी अपने वित्तीय भविष्य को लेकर चिंतित हो जाते हैं। इसी कारण वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों और स्थानीय मुद्राओं का उपयोग बढ़ रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ा रहा है। उनके अनुसार रूस के कुल निर्यात का लगभग 65 फीसदी लेन-देन अब रशियन रुबल में हो रहा है। डिजिटल वित्तीय परिसंपत्तियों और केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। पुतिन ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक वैश्विक संस्थाओं और नियमों से पश्चिमी देशों को फायदा हुआ, तब तक उन्होंने उनका समर्थन किया, लेकिन प्रतिस्पर्धा बढ़ने पर वे खुद उन नियमों से पीछे हटने लगे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार का केंद्र अब पश्चिम से हटकर पूर्व और दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने जिन प्रमुख मार्गों का उल्लेख किया, उनमें शामिल हैं- नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, ट्रांस-आर्कटिक रूट, कैस्पियन सागर व्यापार मार्ग, मध्य एशिया और मध्य पूर्व को जोड़ने वाले नए कॉरिडोर।

हर दिन 1,897 करोड़ कमाते रहे अडानी, 1,352 करोड़ गंवाते रहे अंबानी

शेयर बाजार की चाल ने बदली अरबपतियों की तस्वीर, 2026 में दोनों दिग्गजों की राह अलग-अलग

मुंबई ।

देश के दो सबसे बड़े उद्योगपतियों गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के लिए वर्ष 2026 अब तक बिल्कुल अलग तस्वीर लेकर आया है। जहां अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 4 जून 2026 तक गौतम अडानी की कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर पहुंच गई है। साल की शुरुआत से अब तक उनकी नेटवर्थ में 30.7 अरब डॉलर यानी करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। यह उनकी कुल संपत्ति में लगभग 36.3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी तेजी के दम पर अडानी दुनिया के 17वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। दूसरी ओर मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति घटकर 85.8 अरब डॉलर रह गई है। वर्ष 2026 में अब तक उनकी नेटवर्थ में 21.9 अरब डॉलर यानी करीब 2.10 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। यह उनकी कुल संपत्ति में करीब 20.4 प्रतिशत की गिरावट के बराबर है। दिलचस्प बात यह है कि इस वर्ष के 155 दिनों में अडानी ने औसतन प्रतिदिन 1,897 करोड़ रुपये जोड़े, जबकि अंबानी की संपत्ति में रोजाना औसतन 1,352 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार अडानी की संपत्ति में उछाल का प्रमुख कारण समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में आई जोरदार तेजी है। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स और अडानी ग्रीन एनर्जी जैसे शेयरों ने निवेशकों को मजबूत रिटर्न दिया है। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद समूह को भारी नुकसान झेलना पड़ा था, लेकिन पिछले दो वर्षों में शेयरों में शानदार रिकवरी ने अडानी की दौलत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति का मुख्य आधार रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में उनकी हिस्सेदारी है। इस साल रिलायंस के शेयरों में करीब 18 प्रतिशत और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

इसका सीधा असर उनकी नेटवर्थ पर पड़ा है।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

ललित गर्ग

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है।

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम 'खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है।

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है।

इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफे की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं।

आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा।

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो 'मिलावट-मुक्त भारत' को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। 'शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार', यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

धीमे जहर के कारोबारी

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं?

पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं। पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट मिटाने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए।

चिंतन-मनन

इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना जरूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मजबूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपैया के चक्कर में फंसी अर्थ -व्यवस्था

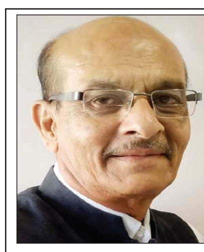

सनत जैन

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर आज देश में एक गंभीर बहस चल रही है। एक पक्ष का मानना है, कि 2004 से 2014 के बीच, विशेषकर 2011 तक, भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। उस दौर में भारत की तुलना चीन, अमेरिका, रुस एवं अन्य यूरोपीय देशों के साथ वैश्विक मंचों पर होने लगी थी। सूचना प्रौद्योगिकी, सेवा क्षेत्र, विनिर्माण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के विस्तार ने देश को नई आर्थिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया था। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के दौरान जब अमेरिका और यूरोप की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ संकट से जूझ रही थीं, तब भारत अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक स्थिति के साथ खड़ा दिखाई दिया। अनेक अर्थशास्त्रियों का मानना था, भारत के विशाल घरेलू बाजार, असंगठित क्षेत्र तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यही कारण था, उस समय भारत को वैश्विक आर्थिक क्षेत्र के केंद्र बिन्दू के रूप में देखा जाने लगा था। लेकिन 2011 के बाद भारत का राजनीतिक माहौल तेजी से बदला। भ्रष्टाचार के आरोप, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों तथा अन्ना हजारे के नेतृत्व में चले जनलोकपाल आंदोलन ने तत्कालीन सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया। सरकार की छवि पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। इसमें विदेशी ताकतों का हाथ भी बताया जाता है। कारपोरेट जगत भी मनमोहन सरकार के खिलाफ खड़ा हो गया था। इस तरह से सारा विपक्ष कांग्रेस और मनमोहन के खिलाफ खड़ा हो गया था। अंततः 2014 में सत्ता परिवर्तन हुआ। आलोचकों का आरोप है कि उस समय देश की आडिट रिपोर्ट में लगाए गए कई आर्थिक नुकसान के अनुमान न्यायिक प्रक्रिया में प्रमाणित नहीं हो सके, काल्पनिक आरोपों से तब तक राजनीतिक माहौल पूरी तरह बदल चुका था।

वर्तमान आर्थिक परिदृश्य को लेकर भी गंभीर प्रश्न उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि पिछले एक दशक में ऐसी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनसे बड़े कॉपोर्रेट समूहों को लाभ मिला, जबकि लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्र को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। नोटबंदी, जीएसटी के प्रारंभिक क्रियान्वयन और महामारी के प्रभाव ने छोटे व्यवसायों की कमर तोड़ दी। लाखों सूक्ष्म इकाइयाँ बंद हुईं। रोजगार के अवसर सिमटते चले गए। अर्थ- व्यवस्था में एक अन्य चिंता भारत के बढ़ते आयात और घटती विनिर्माण क्षमता को लेकर है। चीन से बड़े पैमाने पर उपभोक्ता वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक्स और औद्योगिक उत्पादों का आयात लगातार बढ़ा है। इसके विपरीत भारत की निर्यात वृद्धि अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पाई। इससे व्यापार घाटा बढ़ा है। जिससे आर्थिक आत्मनिर्भरता के दावों पर भी प्रश्नचिह्न लगा है। बढ़ती बेरोजगारी, महँगाई और घरेलू ऋण चिंता के विषय बने हुए हैं। किसानों को उनकी उपज का मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान कर्जदार और खेती मंहगी होती जा रही है। आम नागरिक की क्रय-शक्ति घट गई है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्यान्न और आवश्यक सेवाएँ लगातार महँगी होती जा रही हैं। दूसरी ओर, शेयर बाजार में तेजी और कॉर्पोरेट मुनाफों के बावजूद आम जनता की आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार दिखाई नहीं देता। इससे आर्थिक विकास और सामाजिक वास्तविकताओं के बीच का अंतर बढ़ गया है। आम आदमी की आय में आमदनी अठन्नी और खर्चा रुपया की स्थिति बनी हुई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक नीतियों का केंद्र केवल बड़े निवेश और कॉपोर्रेट लाभ न होकर रोजगार सृजन, लघु उद्योगों का संरक्षण, कृषि क्षेत्र की मजबूती तथा घरेलू मांग में विस्तार हो। भारत की वास्तविक शक्ति उसके करोड़ों छोटे उद्यमियों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग में निहित है। यदि आर्थिक विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँचता, तो ऊँची विकास दर का सपना- सपना बनकर ही रह जायेगा।

भारत के सामने चुनौती केवल विकास दर बढ़ाने की नहीं, बल्कि समावेशी और टिकाऊ विकास सुनिश्चित करने की है। आने वाले वर्षों में यही तय करेगा कि भारत वैश्विक दौड़ में आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ता है या फिर अवसरों को खोकर नई चुनौतियों में फंसकर रह जाता है। जिस तरह के हालात वर्तमान में देखने को मिल रहे हैं वह चिंता बढ़ाने वाले हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के दबाव में काम कर रही हैं। चुनाव आयोग और न्यायपालिका के फैसलों पर आरोपों की झड़ी लग रही है। डॉलर और युआन के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार घटती चली जा रही है। आयात और निर्यात का अंतर बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण भारत एक ऐसे संकट में फंस गया है, जिससे सभी की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस संकट से देश किस तरह से निकल पाएगा, इसको लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष की चिंताएं बढी हुई हैं। वर्तमान आर्थिक स्थिति ने भारत की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक चिंता को बढ़ा दिया है।

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है।

हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें—क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है?

किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है—सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है।

इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है।

दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं।

लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं।

भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है।

दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।नहीं:

अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। जब तक नियमों के उल्लंघन पर त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कागजी प्रावधान वास्तविक सुरक्षा में नहीं बदल सकते।

इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है—क्या आम नागरिक अग्नि सुरक्षा के प्रति पर्याप्त रूप से जागरूक हैं? अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि आग लगने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। घबराहट, अफवाह और गलत निर्णय अक्सर जान-माल के नुकसान को बढ़ा देते हैं। विद्यालयों, कॉलेजों, कार्यालयों, होटलों और आवासीय परिसरों में नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल अनिवार्य किए जाने चाहिए। सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस घटना को केवल एक समाचार बनाकर न छोड़ दिया जाए। सभी बहुमंजिला होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का विशेष सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। जिन भवनों में नियमों का उल्लंघन पाया जाए, उन्हें तत्काल बंद किया जाए। अग्निशमन विभाग को आधुनिक तकनीक, पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित मानवबल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही स्थानीय निकायों और नगर नियोजन एजेंसियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी ताकि भविष्य में आपातकालीन वाहनों को रास्ता मिल सके।

सरकारों को यह समझना होगा कि विकास और सुरक्षा परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। केवल नई इमारतें बनाना विकास नहीं है। सुरक्षित इमारतें बनाना ही वास्तविक विकास है। केवल पर्यटन को बढ़ावा देना पर्याप्त नहीं है; पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। केवल निवेश आकर्षित करना महत्वपूर्ण नहीं है; नागरिकों और आगंतुकों के जीवन की रक्षा करना उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

मालवीय नगर अग्निकांड एक चेतावनी है। यह चेतावनी केवल दिल्ली के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए है। यदि आज भी हम नहीं चेते, तो कल किसी अन्य शहर, किसी अन्य होटल, अस्पताल, विद्यालय या आवासीय भवन में इसी तरह की त्रासदी दोहराई जा सकती है। तब फिर वही शोक संदेश होंगे, वही मुआवजे की घोषणाएं होंगी और वही प्रश्न अनुत्तरित रह जाएंगे।

मृतकों को वापस नहीं लाया जा सकता। उनके परिवारों की पीड़ा को पूरी तरह कम नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि इस घटना से सबक लेकर सुरक्षा व्यवस्था में वास्तविक सुधार किए जाएं, जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाए और अग्नि सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो भविष्य में अनेक जानें बचाई जा सकती हैं। यही इस त्रासदी के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मालवीय नगर की आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया; उसने हमारी शहरी व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और सुरक्षा संस्कृति की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अब समय केवल शोक व्यक्त करने का नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई करने का है। क्योंकि हर हादसे के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही होता है—क्या हमने उससे कुछ सीखा? यदि इस बार भी उत्तर नहीं रहा, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार कर रही होगी।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

संक्षिप्त समाचार

मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात के लिए ट्रंप तैयार, कहा-उनसे मिलकर सम्मानित महसूस करूंगा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्धविराम के बीच ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात की बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ जारी कूटनीतिक प्रयास किसी समझौते तक पहुँचते हैं, तो उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से मिलने में सम्मान महसूस होगा। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ऐसी किसी भी मुलाकात का आयोजन अत्यंत सम्मानजनक तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुझे मिलना पड़ा, तो मुझे उनका सम्मान होगा। लेकिन अगर हम कोई समझौता करते हैं, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह किसी भी मुलाकात में सम्मान के साथ पेश आएंगे और खामेनेई को शायद एक पेशेवर बताया, जिनकी कुछ हलकों में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है। ईरानी नेता के संबंध में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने कहा, कुछ लोग बुरा कहते हैं, लेकिन बहुत से लोग मेरे बारे में बुरा कहते हैं। निश्चित रूप से यह पूरी तरह से गलत है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते का मुख्य हिस्सा यह होगा कि ईरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकेगा। ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर नियंत्रण कर सकता है, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान ने यूरेनियम का संवर्धन बंद कर दिया है और अमेरिकी अधिकारी इस सामग्री की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। ट्रंप ने फिर कहा कि होर्मुज को जल्द दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका ने लगाए नए प्रतिबंध, ट्रंप बोले- इस मुद्दे को हम संभालेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी और कई बड़े अधिकारियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने यह कदम क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया है। इन प्रतिबंधों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आ गई है। क्यूबा ने अमेरिका के इस फैसले को अपनी संप्रभुता पर हमला और खुली दखलअंदाजी बताया है। अमेरिका ने जिन लोगों पर कार्रवाई की है, उनमें पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के बेटे एलेजांद्रो कास्त्रो एस्पिन और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार ने इन सभी की अमेरिका में मौजूद संपत्तियों और बैंक खातों को फ्रीज करने का फैसला किया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इन नेताओं की अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में बहुत कम हिस्सेदारी है। इसके बावजूद इस कदम को ट्रंप प्रशासन की कड़ी राजनीतिक चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार क्यूबा की सरकार पर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हटाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर ऊर्जा नाकेबंदी भी लागू की थी। इससे क्यूबा में ईंधन संकट, बिजली कटौती और खाद्य संकट और गहरा गया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा पहले से ही लगभग टूट चुका है और अमेरिका इस मुद्दे को भी संभालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा के पास सुंदर जमीन और पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं।

काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव में जुटेंगे भारत-नेपाल के दिग्गज

काठमांडो , एजेंसी। काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव (केएलएफ) का चौथा संस्करण 6 जून से नेपाल के ललितपुर में आयोजित होगा। इसका मुख्य विषय सीमा से परे : दक्षिण एशियाई साहित्य है। उद्घाटन समारोह में नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की मुख्य अतिथि होंगी। दो दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में साहित्य, संस्कृति, सिनेमा और कूटनीति के दिग्गज हिस्सा लेंगे। महोत्सव में इला अरुण, प्रतिभा राय, आचार्य प्रशांत और पीयूष मिश्रा जैसी हस्तियां शामिल होंगी।

क्रोएशिया में विमान हादसा, 4 लोगों की मौत

मेडुलिन, एजेंसी। क्रोएशिया में बृहस्पतिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसा इस्त्रिया प्रायद्वीप के मेडुलिन शहर के पास हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी हिना के अनुसार, यह एक जर्मन विमान था और इसने ऑस्ट्रिया से उड़ान भरी थी। स्थानीय पायलट नियाज डेलिक ने एक समाचार पोर्टल को बताया कि विमान हवा में चक्कर खाते हुए जमीन पर आ गिरा। दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में विमान का मलबा एक खेत में बिखरा दिख रहा है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। अभी स्पष्ट नहीं है कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे।

आवारा कुत्ते को लेकर भिड़े मेक्सिको और ब्राजील, एक देना चाहता नोट पर जगह, दूसरे ने बनाया राष्ट्रीय सम्मान

मेक्सिको, एजेंसी। भारत में आवारा कुत्तों को लेकर आए दिन विवाद सामने आता रहता है। सुप्रीम कोर्ट भी इस मुद्दे पर कई बार प्रतिक्रिया दे चुका है। लेकिन इसके बाद भी दिल्ली और तमाम भारतीय शहरों में आवारा कुत्ते दिखाई देते रहते हैं। भारत समेत हर देश के लिए उनकी देशी नस्ल के कुत्ते खास होते हैं, लेकिन कभी आपने सुना है कि दो देश आवारा कुत्ते की एक नस्ल के लिए आपस में मनमुटाव कर बैठें? जी हां, लैटिन अमेरिका के दो देश मेक्सिको और ब्राजील के बीच आवारा कुत्ते की एक नस्ल (कारोमेलो) को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको ने इसे अपनी धरोहर घोषित किया है, जिसकी वजह से ब्राजील के लोगों में नाराजगी है। यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ, जब अप्रैल में मैक्सिको ने कुत्ते की इस नस्ल को मेक्सिकन घोषित कर दिया। ब्राजील में लोकप्रिय इस कुत्ते के बारे में जब वहाँ के लोगों ने सुना तो उन्होंने इस पर नाराजगी जाहिर की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील के लोगों ने सार्वजनिक तौर पर इसका विरोध किया, जबकि सरकार से अनुरोध भी किया कि वह अपने देश की धरोहर की रक्षा करें।

ब्राजील में क्यों फेमस है कारोमेलो कुत्ता : कारोमेलो नस्ल के यह कुत्ते ब्राजील के साथ-साथ मेक्सिको में भी बहुतायत में मिलते हैं। अपने भूरे रंग और फुर्तीले शरीर की वजह से दोनों ही देशों में यह काफी

लोकप्रिय हैं। लेकिन ब्राजील में इनकी लोकप्रियता को शिखर उस समय मिला, जब 2019 में इनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो गए। लोगों ने इन्हें पालना शुरू कर दिया और हद तब हो गई, जब ब्राजील के दस रियाश के नोट पर इनकी तस्वीर छपवाने को लेकर प्रयास शुरू हुआ। इस मुद्दे को लेकर एक पिटीशन बनाई गई, जिसको करीब 50 हजार लोगों ने अपना समर्थन दिया। धीरे-धीरे लोगों ने ब्राजील के इतिहास को भी कारोमेल कुत्ते से जोड़ना शुरू कर दिया और यह वायरल हो गया। इतना ही नहीं इस कुत्ते के ऊपर नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म भी बनाई गई।

कारोमेलो : हाल ही में अप्रैल में जब मैक्सिको ने इसे अपने राष्ट्रीय प्रतीकों में हिस्सा दिया, तो ब्राजील के लोगों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने मैक्सिकन सरकार को इसके लिए खूब खरी खोटी भी सुनाई। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे 'ब्राजील मूल' का बताया।

मेक्सिको ने दिया जवाब : ब्राजील की तरफ से उठती विरोध की आवाजें मैक्सिको तक भी पहुंची। इन विरोधी की आवाजों का जवाब मैक्सिको के ह्यूमन वर्ड फॉर एनिमल्स के क्लाउडिया एडवर्ड्स ने दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए कहा, 'ब्राजील पहला देश था, जिसने इस कुत्ते को सार्वजनिक रूप से मान्यता दी और दुनिया के सामने लाया। लेकिन यह भी सच है कि यह कुत्ता केवल ब्राजील की विरासत नहीं है, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका की विरासत है।

फिलहाल दोनों देश भले ही इस कुत्ते पर अपना दावा ठोक रहे हैं, लेकिन यह नस्ल अभी भी दोनों देशों में सड़कों पर बेसहारा घूमती हुई मिल जाती है। क्या है कारोमेल कुत्ते की कहानी ब्राजील और मेक्सिको के बीच में कारोमैल कुत्ते को लेकर यह प्रेम अहम है। क्योंकि दोनों ही देश इसे अपनी सांस्कृतिक बदलाव और कॉलोनियल काल के इतिहास के जोड़कर देखते हैं। ब्राजील की डीएनए जांच करने वाली एजेंसी के मुताबिक कारोमैल कुत्ता एशिया, अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया की कुल मिलाकर करीब 300 नस्लों का मिश्रण है। इसलिए यह और भी खास हो जाता है।

इस कुत्ते की कहानी लैटिन अमेरिका क्षेत्र में आने वाले यूरोपीय आक्रमणकारियों से शुरू होती है। यूरोप से आने वाले फ्रांसीसी और अंग्रेज अपने साथ कुत्ते भी लेकर आए। धीरे-धीरे वह एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से भी कुत्ते यहां लेकर आए। कई दशकों का इन कुत्तों के बीच में अनियंत्रित प्रजनन हुआ, जिसकी वजह से कई नई नस्ल सामने आई। यूरोपियों के जाने के बाद लोगों ने अपने घरों और खेतों की देखभाल के लिए कुत्तों को बड़ी तदाद में पालना शुरू किया। इसकी वजह से कुत्तों की बहुत ज्यादा तदाद हो गई। इसी के फलस्वरूप आज का कारोमेल कुत्ता सामने आया। ब्राजील के लोग इसे अपने इतिहास के संघर्ष और बदलाव का प्रतीक मानते हैं। वहीं, मैक्सिको भी इसे अपनी राष्ट्रीय धरोहर मानता है।

थम जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा खुला पत्र

मास्को, एजेंसी। चार साल से भी ज्यादा से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को खुला पत्र लिखकर आमने-सामने बातचीत करने का प्रस्ताव रखा है। चार साल में यह पहली बार है जब जेलेंस्की ने खुलकर पुतिन के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि किसी भी तटस्थ देश में बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा है कि स्विट्जरलैंड, तुर्किए या फिर अरब का कोई भी देश बातचीत के लिए अनुकूल साबित हो सकता है।

बातचीत के लिए सुझाए देशों के नाम : जेलेंस्की ने यह भी कहा है कि बातचीत ना तो मॉस्को में होनी चाहिए और ना ही कीव में। उन्होंने कहा कि बड़े मुद्दों का समाधान दोनों देश के नेता ही कर सकते हैं। ऐसे में पुतिन को ऐसी कोई तारीख निश्चित करनी चाहिए जब बात हो सके। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि केवल अमेरिका पर निर्भर रहकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने का कोई फायदा नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका का ध्यान इस समय ईरान पर ज्यादा है।

रूस पर गंभीर आरोप : जेलेंस्की ने अपने पत्र में यह भी कहा कि रूस को जमीनी अभियान में सफलता नहीं मिल पाई है और ऐसे में वह बैलिस्टिक मसाइलों का इस्तेमाल ज्यादा करने लगा है। रूस चाहता है कि यह युद्ध एक दो साल और चले ताकि उसे किसी भी तरह

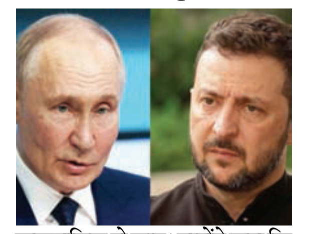

कुछ हासिल हो जाए। उन्होंने कहा कि पुतिन चाहते हैं कि बेलारूस भी इस संघर्ष का हिस्सा बन जाए। इसके अलावा रूस मोल्दोवा में अपने समर्थकों के जरिए ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस इस युद्ध से त्रस्त हो चुका है और अब इसकी कीमत चुका रहा है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन की तरफ से होने वाले ड्रोन हमलों, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कमी की वजह से रूस आर्थिक दबाव में है और पस्त हो चुका है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पिछळे महीने में ही रूस के 30 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे गए या फिर अपाहिज हो गए। उन्होंने इस बात से इनकार नहीं किया कि इस युद्ध में यूक्रेन को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत के दौरान पूरी तरह से युद्धविराम लागू होना चाहिए। इसके अलावा युद्धबंदियों की भी अदला-बदली होनी चाहिए। जेलेंस्की ने रूस की जेल में बंद अपने नागरिकों को लौटाने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दुनिया यूक्रेन से नहीं बल्कि रूस से परेशान हो गई है। यूक्रेन को दुनियाभर के देशों का समर्थन मिल रहा हैऔर रूस पर ही अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाया जा रहा है।

गाजा में फिर भीषण हवाई हमले, महिलाओं-बच्चों समेत 10 की मौत; सीजफायर के बीच भी जारी हिंसा

गाजा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और संघर्ष दोनों साथ चल रहे हैं। गाजा से लेकर लेबनान तक लगातार हवाई हमलों, जवाबी कार्रवाई और संघर्ष विराम के बावजूद हो रही मौतों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सीजफायर लागू होने के बाद भी अब तक 936 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय को संयुक्त राष्ट्र और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विश्वसनीय माना जाता है, हालांकि यह नागरिकों और लड़ाकों का अलग-अलग आंकड़ा जारी नहीं करता। इस्राइल का कहना है कि हमले उन घटनाओं के जवाब में किए जाते हैं जिनमें समझौते का उल्लंघन या सुरक्षा खतरा शामिल होता है। इस्राइल की सेना ने दावा किया कि उत्तरी गाजा में हुए हमलों में हमास के चार लड़ाकों को मार गिराया गया है। सेना के अनुसार ये लोग हमास नेतृत्व की सुरक्षा और खुफिया जानकारी से जुड़े थे। सेना ने यह भी कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सटीक हथियारों और निगरानी का उपयोग किया गया। हालांकि शाम के हमले को लेकर सेना ने तत्काल कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। गाजा पट्टी में इस्राइली हवाई हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार गुरुवार को हुए अलग-अलग हमलों में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं जब क्षेत्र में पहले से ही जारी संघर्ष और सीजफायर के बावजूद हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गाजा सिटी में शिफा अस्पताल के अनुसार रातभर में चार अलग-अलग हमलों में नौ लोगों की मौत हुई। अस्पताल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, रेड क्रॉस द्वारा संचालित सराया फील्ड अस्पताल ने बताया कि गुरुवार शाम हुए एक और हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक हमले में रिहायशी इमारत की ऊपरी मंजिल पर बड़ा धमाका हुआ, जिससे दीवारें टूट गईं और घर का सामान बिखर गया। हमलों के बाद अस्पतालों में परिजनों की भीड़ उमड़ पड़ी। एक पीड़ित के रिश्तेदार वलीद शबेर ने कहा कि हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं।

चीन के लिए करता था जासूसी': अमेरिकी पत्रकार ने कोर्ट में कबूला गुनाह, शी जिनपिंग तक पहुंचती थी रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाले मामला सामने आया है। चीन में लंबे समय से रह रहे अमेरिकी पत्रकार थॉमस पाउकेन द्वितीय ने अदालत में स्वीकार किया है कि वह बिना कानूनी अनुमति के चीनी सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के लिए जानकारी जुटाने और प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करने का काम किया। दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें 1 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी और उसे अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

पाउकेन 2010 से चीन में रह रहे थे और वहां कई सरकारी मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुके हैं। वह अपने पिता से अलग पहचान बनाने के लिए टॉम मैकग्रेगर नाम से लेख लिखते थे। उनके पिता

टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

जांच एजेंसियों ने क्या-क्या खुलासे किए : जांच एजेंसियों के मुताबिक, पाउकेन कम से कम 2019 से चीनी एजेंटों के संपर्क में था। वह कैथी नाम की एक महिला के लिए रिपोर्ट तैयार करते थे, जिसे वह चीन की सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ा मानते थे। आरोप है कि 2019 से 2025 के बीच उसे इन रिपोर्टों के बदले करीब एक लाख डॉलर और अमेरिका की कई प्रायोजित यात्राएं मिलीं। पाउकेन का दावा था कि उनकी रिपोर्टें सीधे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक पहुंचती थीं। एफबीआई के अनुसार, पाउकेन ने ऐसे लोगों की तलाश की जो अमेरिकी प्रशासन में नौकरी हासिल कर सकते थे और बाद में संवेदनशील या गोपनीय जानकारी चीन तक पहुंचा सकें। फरवरी 2025 में वाशिंगटन में हुई एक बैठक के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को सिम कार्ड दिया और उसे हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करने के बदले 10,000 डॉलर देने का प्रस्ताव रखा। जांचकर्ताओं का कहना है कि इन रिपोर्टों का उद्देश्य अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करना था।

अदालती दस्तावेजों में यह भी दावा किया गया है कि जनवरी 2025 में अमेरिका लौटने पर पाउकेन ने अधिकारियों को बताया था कि वह एक ऐसे व्यक्ति से मिलने जा रहा है जो ट्रंप प्रशासन में नौकरी पाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने माना था कि उन्हें 80 प्रतिशत यकीन है कि वह व्यक्ति नौकरी मिलने के बाद चीन को गोपनीय जानकारी दे सकते हैं।

पाउकेन किन्हें अपनी रिपोर्टें बेचीं : न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के वुहान शहर से जुड़े कुछ लोगों को भी रिपोर्टें बेचीं। ये लोग अमेरिकी तकनीक और न्याय विभाग से जुड़ी जानकारियां चाहते थे व साइबर जासूसी में मदद करने वाले विशेषज्ञों की तलाश कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि पाउकेन ने अमेरिका के विदेशी एजेंट पंजीकरण कानून के तहत खुद को कभी पंजीकृत नहीं कराया और न ही अटॉर्नी जनरल को इसकी जानकारी दी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह मामला चीन की ओर से कथित प्रभाव संचालन और जासूसी गतिविधियों के खिलाफ चल रही व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।

भारत पर दबाव डालने की नीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए हानिकारक : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक' है। रूस के राष्ट्रपति ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटाइन पैलेस में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान यह बात कही। क्रेमलिन के अनुसार, पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुतिन ने कहा, 'मुझे आपका सवाल थोड़ा अजीब लगा। आपने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की वजह से रूस और भारत के रिश्तों में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।' उन्होंने कहा कर्ा? आप ऐसा क्यों सोचते हैं? हम पूरी तरह तैयार हैं। हमें खुशी है कि भारत सभी देशों के साथ अपने रिश्ते विकसित कर रहा है। वह एक महान

देश है, जिसकी आबादी 1.5 अरब है, जिसकी अर्थव्यवस्था बड़ी है, और जिसे कई लोग दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं।

पुतिन ने कहा कि यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अपने हितों के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाए और जिन देशों के साथ जरूरी समझे, उनके साथ सहयोग करे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ मामलों में अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उदाहरण के लिए, रूस के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग को लेकर, लेकिन अब सभी यह समझ चुके हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक है, चाहे यह दबाव कहीं से भी आए।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'टास' के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह वार्षिक बैठक दुनिया की प्रमुख मीडिया संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और पत्रकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, आर्थिक मुद्दों और रूस की विदेश नीति पर सवाल-जवाब के रूप में चर्चा करने का अवसर देती है। यह बैठक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान हो रही है, जो तीन जून से छह जून तक आयोजित होगी।

दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की एक महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा की थी। दो दिनों तक चली इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शिखर स्तर की वार्ताएं, औपचारिक कार्यक्रम और कई द्विपक्षीय बैठकें हुई थीं। इन चर्चाओं में रक्षा सहयोग, आर्थिक साझेदारी, ऊर्जा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ औपचारिक बातचीत भी की थी। दोनों नेताओं ने भारत-रूस साझेदारी की समीक्षा की थी, जिसे 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिले 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

पाकिस्तान तो भरोसे के काबिल ही नहीं, यूएस-ईरान में मध्यस्थता को लेकर भड़का इजरायल

तेलअवीव, एजेंसी। भारत में इजरायली राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि मध्य एशिया में चल रहे तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहा पाकिस्तान विश्वास के काबिल नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक अविश्वसनीय और केवल परेशानी पैदा करने वाला दे है। बता दें कि पाकिस्तान बार-बार और ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में मध्यस्थता का दावा कर रहा है और अमेरिकी इसे स्वीकार भी कर रहा है।

आतंक का समर्थक है पाकिस्तान : अजार ने कहा कि मध्यस्थता करने के लिए सबसे पहले ऐसी पार्टी की जरूरत होती है जिसपर विश्वास किया जाए और वही क्वालिटी पाकिस्तान में है नहीं। बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भारत ने किसी तरह की आपत्ति जाहिर नहीं की है। वहीं इजरायली राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान के पास मध्यस्थता करने की क्षमता ही नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मध्यस्थता करने वाली पार्टी ही कट्टरपंथियों की समर्थक हो तो उसका क्या परिणाम निकलने वाला है। पाकिस्तान का झुकाव हमेशा से आतंकवाद और रूढ़िवादी ताकतों की ओर रहता है। ऐसे में अमेरिका को भी सतर्क रहने की जरूरत है और ऐसे देश के झांसे में नहीं आना चाहिए। बता दें कि पिछले महीने जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत यात्रा पर आए थे तो पाकिस्तान को लेकर चर्चा तो खूब हुई लेकिन यह मुद्दा

आतंकवाद पर ही फोकस था। ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई।

पीएम मोदी और नेतन्याहू के रिश्ते पर क्या बोले राजदूत : अजार ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच किसी भी तरह की दरार की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि जो लोग दोनों नेताओं के बीच फूट की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा। उन्होंने लेबनान में सैन्य अभियान को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और ट्रंप के बीच कथित तीखी बहस को 'मैत्रीपूर्ण रणनीतिक मतभेद' बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत इन मतभेदों को वास्तविकता से कहीं अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। अजार ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कथित तनाव की धारणा किसी बुनियादी रणनीतिक मतभेद के कारण नहीं, बल्कि उनकी अलग-अलग कार्यशैली और व्यक्तिगत नेतृत्व शैली के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि बहुत से लोग राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच दरार तलाशना चाहते हैं।

ईरान संघर्ष से बढ़ी महंगाई अस्थायी, जल्द कम होंगी कीमतें: अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का बचाव किया। बढ़ती ईंधन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को लेकर हो रही आलोचना के बीच उन्होंने लॉमेकर्स से कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण बढ़ी महंगाई अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने पर कीमतें फिर कम हो जाएंगी। यह मुद्दा प्रतिनिधि सभा की वेज एंड मीन्स समिति की लंबी और कई बार तीखी सुनवाई के दौरान बार-बार उठा। डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने आरोप लगाया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण ईंधन, घरेलू खर्च और महंगाई बढ़ी है, जिससे अमेरिकी परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। बेसेंट ने माना कि इस संघर्ष का असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव स्थायी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''ईरान संघर्ष के कारण कीमतों में अल्पकालिक बढ़ोतरी हुई है, जो समय के साथ कम हो जाएगी।''

वित्त मंत्री ने कहा कि हालिया मूल्य वृद्धि के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और इसके समर्थन में रोजगार वृद्धि, निजी क्षेत्र में निवेश और वेतन बढ़ने का हवाला दिया।

हालांकि डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों ने इस दावे पर सवाल उठाए। समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य रिचर्ड नील ने कहा कि परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों पर पहले से अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए टैरिफ और ईरान संघर्ष दोनों को जिम्मेदार ठहराया। कई डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने बढ़ती ईंधन कीमतों को खराब होती आर्थिक स्थिति का संकेत बताया। जुडी चू ने कहा कि अमेरिकी

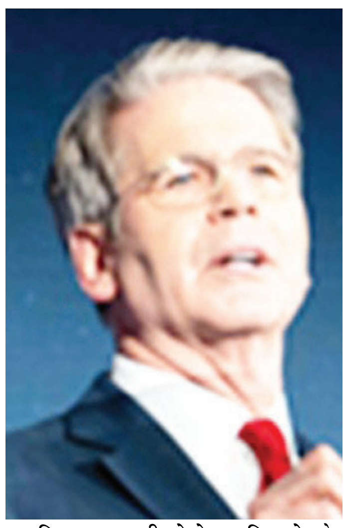

नागरिक अब भी पेट्रोल, किराने के सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए ज्यादा कीमत चुका रहे हैं। वहीं ब्रेंडन बॉयल ने अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर जनता में बढ़ती नाराजगी का उल्लेख किया। जॉन लार्सन ने बेसेंट से पूछा कि क्या इस संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया, ''जी हां, संघर्ष की वजह से कीमतें बढ़ीं।'' हालांकि उन्होंने दोहराया कि यह बढ़ोतरी अस्थायी है और व्यापक महंगाई की स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पद संभालने के बाद से कोर महंगाई दर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।'' बेसेंट ने ईरान संघर्ष को लेकर प्रशासन की व्यापक नीति का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है और इसके लिए अल्पकालिक आर्थिक परेशानियां स्वीकार की जा सकती हैं।

लॉमेकर्स के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि अगर ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने या वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डालने की अनुमति दी जाती, तो अमेरिकी नागरिकों को कहीं अधिक गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि ऊर्जा बाजार पहले ही खुद को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालना शुरू कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और पेट्रोल की कीमतें आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों का ही अनुसरण करती हैं।''

यह सुनवाई से स्पष्ट हो रहा है कि ईरान संघर्ष के आर्थिक प्रभाव अब वॉशिंगटन में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। रिपब्लिकन नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए प्रशासन की नीति का समर्थन किया, जबकि डेमोक्रेटिक नेताओं का कहना है कि इसकी आर्थिक कीमत आम अमेरिकी नागरिकों को अधिक महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि के रूप में चुकानी पड़ रही है।

कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है : डॉ. उपेंद्र कौल

भारत में दिल के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा गलत

नई दिल्ली। भारत में हृदय रोग को लेकर कराए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि देश में पश्चिमी देशों के मुकाबले ''एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम' (एसीएस) के रोगियों की उम्र कम होने की धारणा मिथक है और अधिक आयु वाले लोगों को ही दिल की बीमारी का खतरा अधिक देखा गया है।फोर्टिस हेल्थकेयर ने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कौल के नेतृत्व में यह अध्ययन किया। इसके मुख्य निष्कर्षों में सामने आया है कि हृदय रोगों के तीन प्रमुख कारणों में हाई लिपिड स्तर 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी और धूम्रपान 45 फीसदी हैं। एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (एसीएस) से युवा आबादी के प्रभावित होने को लेकर कोई खास बात सामने नहीं आई है। फोर्टिस द्वारा जनवरी 2011 से दिसम्बर 2015 के बीच कुल 12,152 रोगियों पर अध्ययन किया गया। इसमें 18 से 100 साल तक की उम्र के मरीज शामिल रहे। इसमें 5850 रोगी ऐसे थे जिन्हें दिल का दौरा पड़ा था। इनमें हृदय रोग के जोखिम के कारकों में क्र मश- अत्यधिक कोलेस्ट्रोल 58.1 फीसदी, उच्च रक्तचाप 53.2 फीसदी, धूम्रपान 45 फीसदी, डायबिटीज 36.9 फीसद और मोटापा 33.6 फीसद बताए गए हैं। अध्ययन में शामिल मरीजों में 30 साल से कम उम्र के मरीजों की संख्या केवल 33 यानी 0.3 फीसद थी। 30 से 40 साल के बीच के 304 (2.8 फीसद), 40 से 50 साल के 1298 (10.7 फीसद), 50 से 60 साल के 3445 (28.3 फीसद) और 60 साल से अधिक उम्र के सर्वाधिक 7075 (58.2 फीसदी) मरीज थे। अध्ययन के अनुसार यह दिखाता है कि कम आयुवर्ग के लोगों में दिल के रोगों का जोखिम उतना अधिक नहीं है और यह उम्रदराज लोगों को ही अधिक परेशान करता है। डॉ. उपेंद्र कौल के अनुसार, ''आमतौर पर माना जाता है कि एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम के साथ आए भारतीय रोगियों की उम्र पश्चिमी देशों में इस रोग के मरीजों से अपेक्षाकृत कम होती है। यह मिथक है जिसे हमारे अध्ययन ने साबित किया है। हमारी जनसंख्या में आयु वर्ग और जोखिम का स्तर दोनों वैसे ही हैं जैसा पश्चिमी देशों में है। इस अध्ययन में 30 फीसद रोगी दक्षिण एशियाई देशों के भी थे।'

लीवर का हारमोन करता है शराब व मीठा खाने की इच्छा को नियंत्रित

न्यूयार्क। अगर आप अपनी शराब की लत और ज्यादा मीठा खाने की आदत से परेशान हैं तो आपके लिए एक खुशखबरी है। एक शोध में लीवर के ऐसे हारमोन का पता चला है, जो सीधे मस्तिष्क के साथ संपर्क करके व्यक्ति में शराब और मीठा खाने की भूख कम करता है टेक्सास विविद्यालय के दक्षिण पश्चिम चिकित्सा केंद्र के शोधकर्ताओं ने लीवर में एक हारमोन का पता लगाया है जिसमें लोगों में शराब और मीठे के लिए भूख कम करने की क्षमता है। इस हारमोन का नाम ''फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 21'(एफजीएफ 21) है। यह दिमाग के रिवार्ड सिस्टम के जरिए काम करता है, जो खाने-पीने की हमारी इच्छा को कम करता है। यह हारमोन अत्यधिक ठंड, भोजन में अचानक बदलाव और काबरेहाइड्रेट का सेवन करने से शरीर में पैदा होता है।''सेल मेटाबॉलिज्म जर्नल' में प्रकाशित इस शोध के अनुसार एफजीएफ 21 हारमोन शराब की लत से छुटकारा पाने और टाइप टू मधुमेह के इलाज में मददगार साबित हो सकता है। शोध से जुड़े डॉ. स्टीवन क्लीवर ने कहा ''हमारे शोध से इस बात का पता चलता है कि एफजीएफ 21 हारमोन का प्राथमिकता के आधार पर पोषक तत्वों को ग्रहण करने की प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। साथ ही इस हारमोन का इस्तेमाल शराब की लत छुडाने में भी हो सकता है।' शोधकर्ताओं ने चूहों पर इसका प्रयोग किया। उन्होंने पाया कि जिन चूहों में इस हारमोन की ज्यादा मात्रा थी, उन्होंने मीठा पानी और शराब मिश्रित पानी पीने की कम इच्छा जताई। साथ ही बंदरों ने भी मीठा खाने की कम इच्छा दिखाई। शोध में एफजीएफ 21 और मस्तिष्क तंत्र के बीच गहरे संबंध का पता चला। शराब और मीठा खाने की इच्छा कम करने के साथ ही इस हारमोन के महत्वपूर्ण कायरे के बारे में भी पता चला। इस हारमोन में चयापचय प्रक्रिया, महिलाओं की प्रजनन क्षमता और शरीर की नियमित प्रक्रिया को नियंत्रित करने की क्षमता भी है।

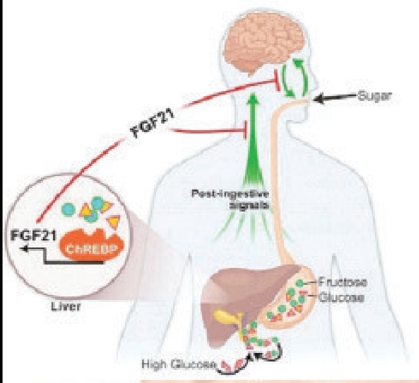

- हारमोन का नाम 'फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर 21'(एफजीएफ 21) है
- यह हारमोन अत्यधिक ठंड, भोजन में अचानक बदलाव व कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने से पैदा होता है
- एफजीएफ 21 हारमोन टाइप टू मधुमेह के इलाज में मददगार साबित हो सकता है

बच्चों में डायरिया के मामले काफी घटाकर पेश किए गए

नई दिल्ली। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि भारत समेत सात एशियाई एवं अफ्रीकी देशों में बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले बहुत कम करके पेश किए गए हैं तथा पिछले आकलन की तुलना में उनकी संख्या दोगुनी हो सकती है। इन देशों में हर घंटे पांच साल की उम्र तक के 13 बच्चे डायरिया के चलते मर जाते हैं।''लांसेट' में प्रकाशित नए शोध में कहा गया है, ''बैक्टीरिया, परजीवी, विषाणु एवं अन्य संक्र मणों की वजह से बच्चों के डायरिया की चपेट में आने के मामले काफी घटाकर पेश किए गए और वह पिछले आकलन की तुलना में करीब दोगुना हो सकते हैं।''बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान, गांबिया, केन्या, माली और मोजाम्बिक के 10,000 से अधिक नमूनों के विश्लेषण से पता चलता है कि शिगेला और रोटावायरस पांच साल तक के बच्चों में सबसे आम संक्रमण है, उसके बाद एडिनोवायरस, आंत में विष पैदा करने वाले ई.कोलाई, क्रिप्टोसपोरडियम और कैंपीलोबैक्टर का नंबर आता है।' डायरिया के संक्रामक कारकों के पिछले अनुमान विभिन्न अन्वेषण पद्धतियों पर आधारित थे जबकि इस अध्ययन में पहली बार 32 रोगाणुओं का परीक्षण करने के लिए मालीक्यूलर डायगोनास्टिक पद्धति का इस्तेमाल किया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंग। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुखदायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजन का सहयोग काम को बनाना आसान करेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-1-3-5

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। पारिवारिक विवाद टालें। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

अध्यापक- राकेश समुद्र के बीच एक नीबू का पेड लगा है, उस पर कुछ नींबू लगे है, उन्हें तुम कैसे तोडकर लाओगे ?

राकेश- चिडिया बनकर।

अध्यापक- बेवकूफकभी आदमी भी चिडिया बन सकता है।

राकेश- कहीं समुद्र में भी नीबू का पेड लगता है।

□ □ □

मिल मालिक, ''मैं तुम्हारे काम से खुश हूं। अगले महींने से तुमको मैनेकर बना रहा हूं, तुम्हारी तनख्वाह भी दोगुनी हो जाएगी।''

कर्मचारी (गिड़गड़ा कर), ''नहीं जनाब, मुझ पर यह जुल्म न करें, मुझे खजांची ही बना रहने दें।''

□ □ □

पुलिस ने एक चोर को पकडा, जब पुलिस के पास हथकडी नही थी।

चोर ने कहा- मै हथकडी लेकर आता हूं, आप वहीं रूकिए।

पुलिस वाला- मुझे बेवकूफ बनाता है, भागने की सोचता है, तू यहीं रूक मैं हथकडी लेकर आता हूं।

□ □ □

पिंटू एक लडकी को छेड रहा था।

लडकी- क्या कर रहे हो ?

पिंटू- महाराजा कॉलेज से बी.कॉम।

काकुरो पहेली - 4077

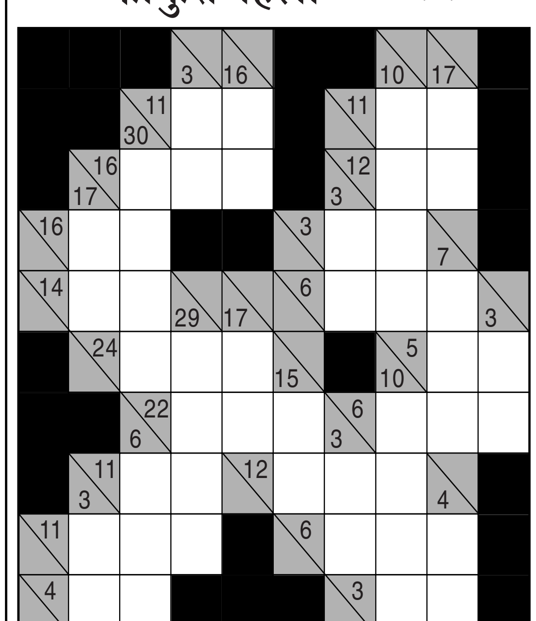

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

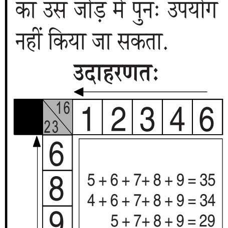

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 4076 का हल

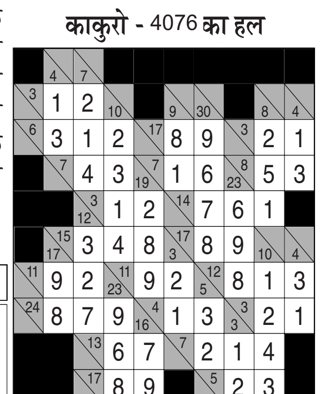

फिल्म वर्ग पहेली-4077

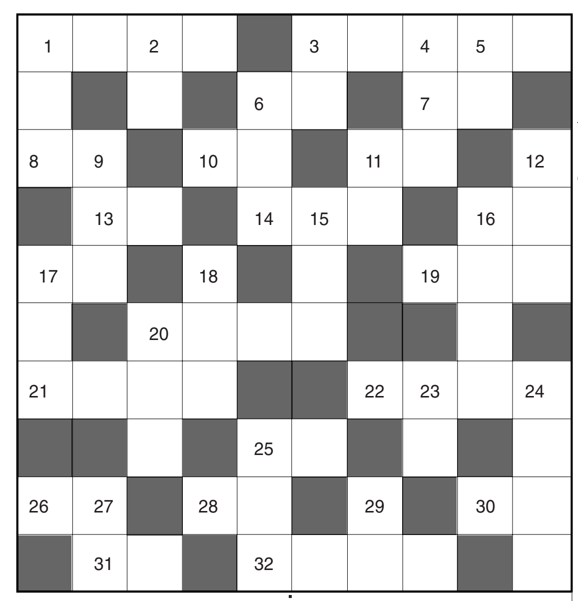

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 4076

सूडोकु -4077

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4076 हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 4077

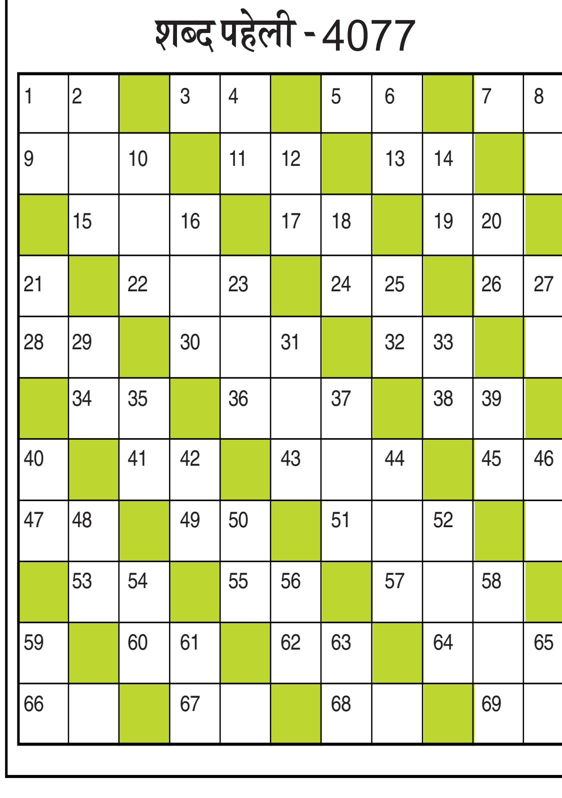

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -4076 का हल

नैनीताल की सड़क पर जादू दिखाने वाले साहिल से प्रभावित हुए आनंद महिंद्रा, शिक्षा और प्रशिक्षण में करेंगे सहयोग

एजेंसी
नैनीताल। नैनीताल की सड़कों पर जादू दिखाकर जीविकोपार्जन करने वाले साहिल नाम के एक बालक की प्रतिभा ने देश के प्रमुख उद्योगपति और महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा का ध्यान आकर्षित किया है। सामाजिक माध्यमों पर साहिल का वीडियो व्यापक रूप से प्रसारित होने के बाद आनंद महिंद्रा ने उसकी कला की सराहना करते हुए उसके भविष्य को संवारने के लिए सहयोग की इच्छा व्यक्त की है। आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में साहिल को अत्यंत प्रतिभाशाली बताते हुए पूछा कि क्या वह अभी भी नैनीताल की सड़कों पर जादू दिखाता है। उन्होंने कहा कि वह न केवल उसकी शिक्षा में सहायता करना चाहते हैं बल्कि जादू की कला के प्रति उसकी रुचि को भी प्रोत्साहित करना चाहते हैं ताकि वह भविष्य में विश्व के श्रेष्ठ जादूगरों में स्थान बना सके। इसके लिए उन्होंने लोगों से साहिल और उसके परिजनों से संपर्क स्थापित कराने में सहयोग की अपील भी की है। सामाजिक माध्यमों पर आनंद महिंद्रा की इस पहल की सराहना की जा रही है और इसे प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

साहित्यकार राबीलाल टुडू का निधन, साहित्य अकादमी ने जताया शोक

नई दिल्ली। संथाली भाषा के लेखक एवं नाटककार राबीलाल टुडू का पश्चिम बंगाल के बारासात के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 76 साल के थे। उनके निधन पर साहित्य अकादमी ने गहरा दुख जताया। साहित्य अकादमी ने राबीलाल टुडू के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। साहित्य अकादमी के मुताबिक संताली भाषा तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के प्रति राबीलाल टुडू का आजीवन समर्पण अद्वितीय रहा है। उनकी साहित्यिक यात्रा और महान योगदान को देश ने आधिकारिक तौर पर सम्मानित किया। उन्हें 2015 में उनके नाटक 'पारसी खातिर' के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार और बाद में वर्ष 2022 में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से 'बंग भूषण' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था तथा 2026 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

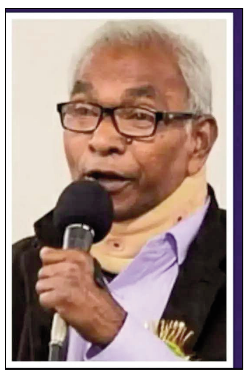

कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मीना कुमारी सहित सात विशेषज्ञ सम्मानित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के 33वें स्थापना दिवस के मौके पर कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करने वाले विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया। पत्रकार एवं स्कॉलर डॉ. मीना कुमारी को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। एपी शिंदे सिम्पोजियम हॉल में आयोजित राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के 33वें स्थापना दिवस समारोह में पद्म पुरस्कार विजेता एवं एनएएएस फेलो डॉ. पीएल गौतम, डॉ. अशोक के सिंह, किसान प्रतिनिधि श्रीरंग देवबा लाड, उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तित्व डॉ. मीनेश शाह और दिलीप संघानी सहित मीडिया क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार संजीब मुखर्जी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनएएएस-यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड और एनएएएस-धनुका अवॉर्ड भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. अशोक के. सिंह के स्वागत भाषण से हुई, जबकि डॉ. बीएस द्विवेदी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अकादमी के अध्यक्ष डॉ. एमएल जाट ने कहा कि विज्ञान, उद्योग, मीडिया और किसान समाज के चार ऐसे स्तंभ हैं, जिनके समन्वय से ही कृषि क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। सम्मानित सभी व्यक्तित्वों ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर इस सेतु को मजबूत बनाया है।

देश की आर्थिक बुनियाद आलोचकों की कल्पना से कहीं अधिक मजबूतः भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने के अनुमान पर संतोष जाहिर करते हुए कांग्रेस की आलोचना की है। भाजपा ने कहा कि जिन लोगों ने महीनों तक भारत में आर्थिक मंदी की भविष्यवाणी की थी, उनके लिए वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले 7.1 प्रतिशत थी। भाजपा प्रवक्ता जफर इस्लाम ने यहां पत्रकारों से कहा कि यह ईरान संघर्ष, टैरिफ युद्ध और वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद संभव हुआ है। एक बार फिर, हमारी आर्थिक बुनियाद आलोचकों की कल्पना से कहीं अधिक मजबूत साबित हुई है। मोदी सरकार में विकास को नीति-निर्माण के केंद्र में रखा गया है। कई महीनों तक हमें बताया गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी पड़ रही है, उसकी गति धीमी हो रही है। नवीनतम जीडीपी अनुमान एक अलग ही कहानी बयां करते हैं। जफर इस्लाम ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में विकास दर 7.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 7.1 प्रतिशत से अधिक है। यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नीतिगत निरंतरता और आर्थिक प्रबंधन का प्रतिबिंब है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के नाममात्र मूल्य के हिसाब से 346 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है, जो लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि है।

कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 2फीसदी की बढ़ोतरी, विधायक निधि बढ़ाने सहित कई अहम फैसले

एजेंसी
गुवाहाटी। विस्तारित असम मंत्रिमंडल की पहली कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने मीडिया को संबोधित करते हुए सरकार के विभिन्न फैसलों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा विद्यालयों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए भी राहत भरी खबर है। पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति देकर तृतीय श्रेणी पदों पर नियुक्त करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। कैबिनेट ने विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि में भी बढ़ोतरी का निर्णय लिया है। अब तक प्रति विधायक एक करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपये किया जाएगा। वहीं अगले वर्ष अप्रैल से इसे बढ़ाकर दो करोड़ रुपये करने का भी निर्णय लिया गया है। बैठक में यह भी तय किया गया कि आगामी एक अगस्त से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता को मिलना शुरू होगा। बजट पारित नहीं होने के कारण कई विकास योजनाओं का कार्य प्रभावित था, लेकिन आगामी बजट सत्र के बाद इन योजनाओं को गति दी जाएगी। राज्य सरकार ने डिब्रूगढ़ को असम की दूसरी राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए अगले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी दी है। इस परियोजना के लिए गठित दूसरी राजधानी क्षेत्र प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में प्रशांत फूकन को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि नवगठित मंत्रिमंडल के मंत्रियों के विभागों का अंतिम आवंटन अगले सात दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। साथ ही जिला अभिभावक मंत्रियों की जिम्मेदारियों की भी घोषणा किए जाने की संभावना है। सरकार का मानना है कि इन निर्णयों से कर्मचारियों के कल्याण, प्रशासनिक दक्षता तथा राज्य के समग्र विकास को नई गति मिलेगी।

लुधियाना में तीन श्रमिकों की मौत पर पंजाब सरकार को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

एजेंसी
नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पंजाब के लुधियाना जिले में एक कारखाने के अंदर सीवेज लाइन की सफाई करते समय जहरीली गैसों में सांस लेने से तीन लोगों की मौत और दो अन्य के घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने पंजाब सरकार के मुख्य सचिव और लुधियाना पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। आयोग के मुताबिक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कारखाने के प्रबंधन ने रासायनिक कचरे के निपटान के लिए इस्तेमाल होने वाले सीवेज सिस्टम को साफ करने के लिए श्रमिकों को काम पर रखा था। वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर लाइन में घुस गए और जहरीली गैसों के संपर्क में आ गए। इनमें से तीन श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो सहायक कर्मचारी बेहोश हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। आयोग ने रिपोर्ट में जांच की स्थिति, घायल श्रमिकों के स्वास्थ्य और सरकार द्वारा घोषित मुआवजे (यदि कोई हो) का विवरण शामिल करने का भी आदेश दिया है।

तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति में बड़े संगठनात्मक बदलाव, कई पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल

एजेंसी
कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पार्टी नेता कल्याण बनर्जी ने शुक्रवार शाम बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए संगठनात्मक ढांचे में बड़े स्तर पर बदलाव की घोषणा की।

निर्णयों के अनुसार अभिषेक बनर्जी को राष्ट्रीय महासचिव के रूप में सहयोग देने के लिए डेरेक ओब्रायन और डोला सेन को संयुक्त महासचिव नियुक्त किया गया है। साथ ही विभिन्न राज्यों में राज्य स्तर से प्राप्त सुझावों के आधार पर वहां नई समितियों का गठन किया जाएगा। पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बक्शी के अस्वस्थ होने के कारण उनके स्थान पर चंद्रिमा भट्टाचार्य को प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं सजदा अहमद, नैना बनर्जी सहित कुछ अन्य नेताओं को उपाध्यक्ष बनाया गया है। युवा तृणमूल कांग्रेस की कमान सायोनी घोष को सौंपी गई है। महिला संगठन का नेतृत्व माला राय को दिया गया है, जबकि छात्र संगठन की जिम्मेदारी प्रियंका अधिकारी को दी गई है। पार्टी की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि डेरेक ओब्रायन और कल्याण बनर्जी राष्ट्रीय प्रवक्ता के रूप में कार्य करेंगे, जबकि कुणाल घोष को प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अतिरिक्त संगठनात्मक ढांचे में अन्य प्रमुख जिम्मेदारियां भी तय की गई हैं। इनमें मलय घटक को श्रमिक संगठन का प्रदेश अध्यक्ष, मदन मित्र को हॉकर संगठन का प्रभारी तथा विमान बनर्जी को विधि प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है। पार्टी नेतृत्व ने यह भी निर्णय लिया है कि जिलाध्यक्षों के चयन की जिम्मेदारी पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के पास रहेगी।

शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनाव का आधार : ज्ञानेश कुमार

एजेंसी
धर्मशाला। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनाव का आधार है। शुद्ध मतदाता सूची में अनुपस्थित, डुप्लिकेट, मृत व विदेशी मतदाता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। साथ ही साथ भारत के वह नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और मतदान केंद्र के आसपास रहते हैं, उनका नाम सूची में अवश्य होना चाहिए।

धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए मुख्य आयुक्त ने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता छूटना नहीं चाहिए, साथ ही अपात्र लोगों के लिए चुनावी सूची में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने देश व हिमाचल प्रदेश के सभी मतदाताओं को आभार जताते हुए कहा कि जब भी चुनाव हो वह अपना वोट डालने जरूर जाएं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव का पर्व हम सबके लिए गर्व का विषय है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि वह वीरभूमि कहे जाने वाले हिमाचल प्रदेश में चुनाव आयोग के रिव्यू के लिए विशेष रूप से पहुंचे हैं। हिमाचल चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त, बूथ लेवल के चुनाव अधिकारियों के साथ भी संवाद करने का मौका मिल रहा है। साथ ही देवभूमि हिमाचल प्रदेश जिला कांगड़ा व धर्मशाला के विभिन्न प्रमुख स्थलों में भ्रमण करने का भी मौका मिल रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अपने धर्मशाला दौरे के दौरान एचपीसीए स्टेडियम से युवा मतदाता जागरूकता साइकिल रैली पेडल फॉर डेमोक्रेसी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली के माध्यम से युवाओं को मतदाता पंजीकरण, मतदान तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाने, मतदान के अधिकार का प्रयोग करने तथा अन्य नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली में युवाओं, विद्यार्थियों, खेल प्रेमियों तथा एसएसबी सपडी के जवानों ने भाग लिया।

वाराणसी में ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक संपन्न, सांस्कृतिक सहयोग और साझा विरासत संरक्षण पर विशेष जोर

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक संपन्न हो गई। बैठक के अंतिम दिन सदस्य देशों ने साझा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, सांस्कृतिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने तथा सांस्कृतिक संपत्तियों की वापसी के लिए संस्थागत तंत्र विकसित करने पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

नदेसर स्थित एक होटल में आयोजित बैठक के दौरान दूसरे दिन दो महत्वपूर्ण सत्रों में सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन हुआ। प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, अवैध रूप से विदेश ले जाई गई सांस्कृतिक संपत्तियों की वापसी तथा साझा विरासत के संरक्षण के लिए सहयोगात्मक उपायों पर चर्चा की।

बैठक में यूनेस्को विश्व धरोहर, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (आईसीएच) तथा मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड (एमओडब्ल्यू) कार्यक्रमों के अंतर्गत संयुक्त नामांकन को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों–ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इंडोनेशिया और भारत–के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रूस, इथियोपिया और मिस्र के प्रतिनिधि हाइब्रिड माध्यम से बैठक से जुड़े।

बैठक की अध्यक्षता भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने की। इस दौरान भारत के संस्कृति ट्रैक के अंतर्गत निर्धारित प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा हुई। सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, रचनात्मक उद्योगों के विकास तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में आपसी सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिनिधियों ने विरासत प्रबंधन के लिए प्रभावी संस्थागत रणनीतियों के विकास तथा सांस्कृतिक संपत्तियों की वापसी से संबंधित प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। बैठक में यह सहमति बनी कि सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देकर ब्रिक्स देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत किया जा सकता है।

कोर्ट ने रेलवे के सेक्शन इंजीनियर को तीन दिन की रिमांड पर सीबीआई को सौंपा

एजेंसी
जबलपुर। मध्य प्रदेश के सागर से एक लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किए गए रेलवे के सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला को जबलपुर की विशेष न्यायालय ने तीन दिन की रिमांड पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया है।

सीबीआई की जबलपुर इकाई ने गुरुवार देर रात सागर में बड़ी कार्रवाई करते हुए सेक्शन इंजीनियर बुंदेला को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। सीबीआई की टीम कार्रवाई के बाद आरोपित को अपने साथ जबलपुर ले आई, जहां उसे सीबीआई की विशेष अदालत में पेश किया गया और पूछताछ के लिए तीन दिन की रिमांड मांगी। अदालत ने सुनवाई के बाद तीन दिन की रिमांड मंजूर कर दी।

सागर रेल खंड में गिट्टी आपूर्ति का कार्य करने वाले एक ठेकेदार ने काम पूरा होने के बाद रेलवे में जमा अपनी सिक्योरिटी राशि वापस करने के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और राशि लौटाने के बदले सेक्शन इंजीनियर नारायण सिंह बुंदेला ने एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। ठेकेदार द्वारा रिश्वत देने से इंकार करने पर अधिकारी ने सिक्योरिटी राशि लौटाने से मना कर दिया और मामले की शिकायत सीबीआई से की। शिकायत की प्रारंभिक जांच और सत्यापन के बाद एजेंसी ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप बिछाया। सीबीआई ने बताया कि गुरुवार की रात बुंदेला ने रिश्वत की रकम लेने के लिए ठेकेदार को सागर स्थित पैराडाइज होटल बुलाया था। रात में होटल परिसर के आसपास सीबीआई की टीम पहले से सादी वर्दी में तैनात थी। रात करीब 11 बजे जैसे ही ठेकेदार ने तय योजना के अनुसार एक लाख रुपये की राशि बुंदेला को सौंपी, सीबीआई अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया।

मप्र की गोंडी चित्रकला को मिला डिजिटल बाजार का नया मंच, वैश्विक पहचान की ओर बढ़े जनजातीय कलाकार

एजेंसी
डिण्डोरी। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले ने जनजातीय कला, संस्कृति एवं कलाकारों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला प्रशासन ने कलेक्ट्रेट में गोंडी चित्रकला कलाकारों के लिए ई-कॉमर्स मंच का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के माध्यम से पाटनगढ़ की विश्व प्रसिद्ध गोंडी चित्रकला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने की नई पहल की गई।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल एवं राज्य मंत्री राधा सिंह द्वारा वर्चुअल रिमोट का बटन दवाकर गोंडी चित्रकला आधारित उत्पादों के लिए ई-कॉमर्स मंच का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर आजीविका ग्राम संगठन, पाटनगढ़ एवं डॉट्स एंड डैशेज संस्था के मध्य गोंडी चित्रकला संवर्धन, कलाकार आजीविका उन्नयन एवं विपणन सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि गोंड चित्रकला हमारे जनजातीय समाज की एक प्राचीन और गौरवशाली कला है। गोंडी कला आधारित उत्पादों को अमेज़न ई-कारीगर सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध करने से इस कला को वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। इससे न केवल चित्रकारों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य और सम्मान मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी विशेष पहचान बनेगी। उन्होंने इस पुरातन और जीवंत कला को 'जीआई टैग' दिलाने के लिए भी आवश्यक प्रयास करने की बात कही।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में आजीविका ग्राम संगठन पाटनगढ़ और डॉट्स एंड डैशेज संस्था के मध्य एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। ग्राम पाटनगढ़ के 157 परिवार प्रत्यक्ष रूप से इस कला से जुड़े हुए हैं, जिनमें 85 महिला और 72 पुरुष कलाकार शामिल हैं। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक गोंडी कला का संरक्षण, संवर्धन और बाजार का विस्तार करना है। इस अवसर पर बताया कि यह समझौता कलाकारों के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। 'डॉट्स एंड डैशेज' के व्यवस्थित विपणन सहयोग से वर्तमान में चित्रकार परिवारों की औसत वार्षिक आय 35 हजार रुपये से बढ़कर 70 हजार रुपये तक पहुंच गई है। अब उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री मंचों पर उपलब्ध कराने से इनकी वैश्विक मांग बढ़ेगी, जिससे आगामी समय में कलाकारों की आय में 10 गुना तक वृद्धि होने की संभावना है। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी, मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हर्षिका सिंह, अमेज़न कारीगर टीम के प्रतिनिधि भी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर स्थानीय गोंडी कलाकारों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कलाकार चम्पी श्याम, आसमा तेकाम सहित अन्य चित्रकारों ने कैनवास, पेपर शीट, टी-शर्ट, शर्ट, साड़ी, दुपट्टा, रूमाल और अन्य उत्पादों पर उकेरी गई गोंडी कला की लगभग 30 कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में पारंपरिक जनजातीय संस्कृति, प्रकृति और लोकजीवन की झलक देखने को मिली।

सांस्कृतिक सहयोग के नए संकल्प के साथ वाराणसी में ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक संपन्न

एजेंसी
वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक संपन्न हो गई। नदेसर मिंट हाउस स्थित एक तारांकित होटल में आयोजित बैठक के दूसरे दिन सदस्य देशों ने सांस्कृतिक विरासत संरक्षण, सांस्कृतिक संपदा की वापसी, साझा विरासत के संरक्षण तथा सतत विकास में संस्कृति की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श किया। बैठक का शुभारंभ भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. अरविंद कुमार के उद्घाटन संबोधन से हुआ। उन्होंने ब्रिक्स देशों के बीच सांस्कृतिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने तथा साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में पहला सत्र सांस्कृतिक विरासत संरक्षण एवं सांस्कृतिक संपदा की वापसी के लिए संस्थागत रणनीतियाँ विषय पर आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डीन प्रो. रमेश सी. गौर ने की। इस दौरान सदस्य देशों ने सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और उनकी वापसी से जुड़े अनुभवों एवं सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को साझा किया। प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक संपदा की वापसी से जुड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। चर्चा में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि सांस्कृतिक विरासत न केवल पहचान और परंपराओं की संरक्षक है, बल्कि यह सामुदायिक अधिकारों की रक्षा और अंतर-सांस्कृतिक समझ को भी मजबूत करती है। दूसरे सत्र में साझा विरासत के संरक्षण हेतु सहयोगात्मक दृष्टिकोण : यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त नामांकन विषय पर विचार-विमर्श हुआ। इस सत्र का संचालन डॉ. अरविंद कुमार ने किया। प्रतिनिधियों ने संयुक्त नामांकन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए इसे साझा सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, वैश्विक पहचान और भावी पीढ़ियों तक उनके हस्तांतरण का प्रभावी माध्यम बताया। साथ ही, इसे ब्रिक्स देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण अवसर भी माना गया।

दिन का अंतिम सत्र सतत विकास के प्रेरक के रूप में संस्कृति : 2030 के बाद का एजेंडा विषय पर केंद्रित रहा, जिसकी अध्यक्षता भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव अमृता सरभाई ने की। चर्चा में संस्कृति को सामाजिक समावेशन, पर्यावरणीय स्थिरता, आर्थिक सुदृढ़ता और सामुदायिक कल्याण के महत्वपूर्ण आधार के रूप में रेखांकित किया गया। प्रतिभागियों ने 2030 के बाद के वैश्विक विकास एजेंडे में सांस्कृतिक आयामों को प्रभावी ढंग से शामिल करने के विभिन्न उपायों पर भी विचार साझा किए। बैठक के समापन अवसर पर प्रतिनिधियों को काशी की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से परिचित कराने के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मालवीय नगर अग्निकांड के बाद दिल्ली सरकार का बड़ा एक्शन प्लान, लापरवाह अधिकारियों पर भी होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी
नई दिल्ली। राजधानी में मालवीय नगर अग्निकांड जैसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा अनधिकृत निर्माणों, अग्नि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और नागरिकों के जीवन को खतरे में डालने वाली गतिविधियों पर कठोर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में शहरी विकास एवं गृह मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, डीडीए उपाध्यक्ष, एमसीडी आयुक्त, एनडीएमसी के चेयरमैन, डिविजलन कमिश्नर, सभी डीएम, निगम उपायुक्त तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी। इस बैठक की जानकारी देते हुए आशीष सूद ने पत्रकारों को बताया कि दिल्ली सरकार इन हादसों में प्रभावित सभी परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री स्वयं स्थिति की पल-पल की समीक्षा कर रही हैं। सरकार का उद्देश्य केवल तात्कालिक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि एक ऐसा फुल-प्रूफ सिस्टम बनाना है जिससे भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को हमेशा के लिए रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में कई व प्रभावी निर्णय लिए गए हैं, जिनमें अब लापरवाह व भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए अधिकारियों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की विभिन्न धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जाएगी, इसके तहत अधिकतम 2 वर्ष की सजा व मोटे जुर्माने का प्रावधान है। यह कार्रवाई उन अधिकारियों के खिलाफ की जाएगी जिनकी लापरवाही या मिलीभगत के कारण अवैध निर्माण, अग्नि सुरक्षा उल्लंघन अथवा अन्य खतरनाक गतिविधियां पनपती हैं। अफसरों को यह भी चेतावनी दी गई कि आवश्यक होने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों का भी उपयोग किया जाएगा। दोषी अफसरों की संपत्ति व कॉलोनाईर, बिल्डर, ऑनर से भी होगी वसूली सूद के अनुसार मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से कहा कि सरकारी नुकसान की भरपाई अब केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी। राजस्व वसूली अधिनियम-1890 के तहत सरकार को हुए नुकसान की भरपाई दोषी अधिकारियों के वेतन, पेंशन तथा संपत्तियों से की जाएगी।

किसी एक टीम से बड़ा है आईसीसी - जय शाह

टी20 विश्व कप 2026 विवाद पर पहली बार बोले शाह

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर पैदा हुए विवाद पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आईसीसी किसी एक देश या टीम पर निर्भर नहीं है और संगठन हमेशा किसी भी सदस्य देश से बड़ा होता है। साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट की अभूतपूर्व सफलता और रिकॉर्डतोड़ दर्शक संख्या का भी उल्लेख किया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले एक बड़ा विवाद सामने आया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के दौरान बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम में जगह नहीं मिलने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में खेलने को लेकर आपत्ति जताई थी। बोर्ड ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि उसकी टीम के सभी मुकाबले केवल श्रीलंका में कराए जाएं। हालांकि आईसीसी ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया।

भारत बनाम अफगानिस्तानः केएल राहुल के बाद कप्तान गिल का शतक, पहले दिन टीम इंडिया का दबदबा

न्यू चंडीगढ।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इकलौते टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन की समाप्ति तक 3 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं। पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप के रूप में 41 के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 32 गेंदों में 5 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साईं सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर भारतीय टीम को 180 के स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 13 चौकों के साथ 81 रन टीम के खाते में जोड़े। यहां से कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन जुटाकर स्कोर 247 रन तक पहुंचा दिया था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और दिन की समाप्ति से पहले अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। पहला दिन खत्म होने तक गिल और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 148 गेंदों में 121 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। गिल 143 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 103 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि पंत ने 70 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन जुटा लिए हैं।

इस मुकाबले में टीम इंडिया केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल, वाशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा के साथ उतरी है। वहीं, हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में अफगानिस्तान सेदिकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, अफसर जजई (विकेटकीपर),

अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नंगेयालिया खारोटे, जियाउर रहमान शरीफी और मोहम्मद सलीम सफी के साथ इस मैच में उतरी है।

नॉर्वे चेस चैंपियनशिप जीतने वाले पहले भारतीय बने प्रग्गनानंदा

स्टावेंजर (नॉर्वे) ।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रग्गनानंदा ने शानदार वापसी करते हुए नॉर्वे चेस चैंपियनशिप 2026 का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया। वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर प्रग्गनानंदा ने खिताबी जीत सुनिश्चित की। टूर्नामेंट के 10वें और अंतिम दौर में प्रग्गनानंदा ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। मध्य खेल में कीमर की कुछ गलतियों का पूरा फायदा उठाते हुए उन्होंने 45वीं चाल में मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने कुल 18 अंक हासिल किए और खिताब पर कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट में उनके खाते में पांच जीत, दो हार और दो ड्रॉ रहे। दोनों ड्रॉ मुकाबलों के बाद खेले गए आर्मागेडन मैचों में भी उन्होंने जीत दर्ज की।टूर्नामेंट में सबसे कड़ी चुनौती अमेरिका के वेस्ली सो से मिली। अंतिम राउंड से पहले वेस्ली सो बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन आखिरी मुकाबले में अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के कारण वह 17 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वेस्ली सो ने पूरे टूर्नामेंट में दो जीत और आठ ड्रॉ खेले, जबकि

छह आर्मागेडन मुकाबलों में जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक जुटाए। फ्रांस का प्रतिनिधित्व करने वाले अलीरेजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस प्रतियोगिता में विशेष अंक प्रणाली लागू थी, जिसमें जीत पर तीन अंक, ड्रॉ पर दोनों खिलाड़ियों को एक-एक अंक तथा आर्मागेडन मुकाबला जीतने वाले खिलाड़ी को एक अतिरिक्त बोनस अंक दिया जाता था।दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन अपने घरेलू टूर्नामेंट में चौथे स्थान पर रहे। कार्लसन ने अंतिम दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराया, लेकिन कुल 13 अंकों के साथ चौथे स्थान से आगे नहीं बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट में प्रग्गनानंदा ने कार्लसन को दो बार हराकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

तपती गर्मी में केएल राहुल का शतक, अफगानिस्तान के खिलाफ धैर्य और क्लास का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

न्यू चंडीगढ़ के मुल्लानपुर स्टेडियम में जब तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा था, तब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच में धैर्य, तकनीक और मानसिक मजबूती का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। इस कठिन परिस्थितियों वाली पारी में उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 12वां और अंतरराष्ट्रीय करियर का 22वां शतक जड़ा। तेज गर्मी और उमस से भरे इस मुकाबले में बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। शुरुआती ओवरों में अफगानिस्तान के गेंदबाजों ने अच्छी स्विंग और गति से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया, लेकिन केएल राहुल ने संयम से काम लेते हुए पारी को संभाला। उन्होंने जल्दबाजी के बजाय विकेट पर समय बिताया और धीरे-धीरे अपनी पारी को मजबूती दी।जैसे-जैसे धूप तेज होती गई, राहुल का आत्मविश्वास भी बढ़ता गया। उन्होंने स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ शानदार डिफेंस और सटीक शॉट चयन से रन बटोरे। 98 रन पर पहुंचने के बाद पूरा स्टेडियम उनकी सेंचुरी का इंतजार कर रहा था, और 61वें ओवर में उन्होंने दो रन लेकर अपना शतक पूरा किया। हालांकि शतक पूरा करने के तुरंत बाद वह ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके और 100 रन बनाकर आउट हो गए। उनकी इस पारी में 165 गेंदों पर 11 चौके शामिल रहे। शतक के बाद गर्मी और थकान के कारण राहुल बेहद थके हुए नजर आए।

अंडर-18 विमेंस एशिया कप- भारतीय महिला टीम ने ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा, कोरिया को 3-0 से दी मात

काकामिगाहारा।

अंडर-18 विमेंस एशियन कप में भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। मलेशिया को पहले मैच में हराने के बाद भारत ने पूल ए के अपने दूसरे मैच में कोरिया के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए इस मुकाबले में नौशीन नाज, श्रुति कुमारी, और किरण एक्का ने गोल दागा। मैच की शुरुआत ही भारतीय टीम के लिए शानदार रही। शुरुआती क्वार्टर में टीम को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसका पूरा फायदा नौशीन ने उठाया और मैच के चौथे ही मिनट में गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। 21वें मिनट में श्रुति ने शानदार गोल किया, जिससे भारत को हाफ-टाइम ब्रेक तक 2-0 की आरामदायक बढ़त मिल गई। ब्रेक के बाद कोरिया ने वापसी की कोशिश की और तीसरे क्वार्टर में स्कोर 2-1 कर दिया, जब ग्योंगमिन रयू ने 41वें मिनट में गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, भारत ने जल्द ही दो गोल की बढ़त वापस पा ली। प्लेयर ऑफ द मैच रहीं किरण एक्का ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में तब्दील किया, जिससे भारत की बढ़त 3-1 हो गई और मुकाबला पूरी तरह से उनके कंट्रोल में आ गया। भारतीय टीम आखिरी क्वार्टर में भी अनुशासन में रही, और कोरिया को कोई और गोल करने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने मैच के दौरान चार पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक हासिल किया, जबकि कोरिया ने दो पेनल्टी कॉर्नर जीते। मलेशिया और कोरिया के

खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच जीतने के बाद भारत अब छह पॉइंट्स के साथ पूल ए स्टैंडिंग में पहले स्थान पर आ गया है। टीम ग्रुप स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 2 जून को सिंगापुर से भिड़ेगी, जहां भारतीय टीम की कोशिश अपने विजयी अभियान को लगातार तीसरे मैच में बरकरार रखने की होगी।

संक्षिप्त समाचार

अजीत अगरकर का बड़ा बयान- वैभव सूर्यवंशी को फिलहाल सिर्फ टी20 में मौका

टेस्ट करियर पर लगाई ब्रेक

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के टेस्ट करियर को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी है। पहली बार भारतीय टी20 टीम में शामिल किए गए वैभव को लेकर जब उनके टेस्ट भविष्य पर सवाल पूछा गया, तो अगरकर ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल उनका चयन केवल छोटे प्रारूप यानी टी20 क्रिकेट के लिए किया गया है। अजीत अगरकर ने साफ कहा कि वैभव अभी बहुत युवा हैं और रेड बॉल क्रिकेट में उनका अनुभव सीमित है। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में अधिक मैच खेलने और लंबे प्रारूप में खुद को तैयार करने के बाद ही उनके टेस्ट करियर पर विचार किया जाएगा। अगरकर के अनुसार, ÷अभी जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं है, उन्हें धीरे-धीरे आगे बढ़ने दिया जाएगा।÷ उन्होंने आगे वैभव की प्रतिभा की जमकर सराहना की और कहा कि लगातार दो आईपीएल सीजन और अंडर-19 क्रिकेट में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। अगरकर ने माना कि उनकी क्षमता और निरंतरता ने ही उन्हें टीम इंडिया में जगह दिलाई है।वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए और 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से सभी का ध्यान खींचा। उनके इसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। टीम इंडिया को अब आयरलैंड के खिलाफ 26 और 28 जून को दो टी20 मैच खेलने हैं, जबकि इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। माना जा रहा है कि इन सीरीज में वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव को सीमित ओवरों के प्रारूप में तैयार करना सही कदम होगा, जिससे वह भविष्य में लंबे समय तक भारतीय क्रिकेट का हिस्सा बने रह सकें।

बीसीसीआई ने घोषित की टी20 टीम, श्रेयस अय्यर बने नए कप्तान; सूर्यकुमार यादव बाहर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज तथा एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस बार चयन समिति ने बड़ा फैसला लेते हुए सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया है। वहीं, तिलक वर्मा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। टीम चयन के साथ कई चौंकाने वाले फैसले भी सामने आए हैं, जिन्होंने क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाए जाने का फैसला उनके हालिया आईपीएल प्रदर्शन और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने लगातार अपनी कप्तानी से प्रभावित किया है। तिलक वर्मा को उपकप्तानी देकर चयनकर्ताओं ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जबकि अक्षर पटेल को इस भूमिका से हटाया गया है। सबसे बड़ी चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मिली जगह को लेकर है, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 16 मैचों में 776 रन बनाकर 237 के स्ट्राइक रेट से धमाकेदार प्रदर्शन किया था। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने

आईपीएल से टीम इंडिया तक का सफरः

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आयरलैंड, इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीमों की घोषणा कर दी है। इस चयन में सबसे बड़ा आकर्षण 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन के दम पर तीनों स्क्वॉड में जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। वे भारतीय टीम में चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। उनके चयन ने क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। वैभव के साथ ही एक और युवा खिलाड़ी ने पहली बार भारतीय टीम में जगह बनाकर सुर्खियां बटोरी हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है। आईपीएल 2026 में अपनी रफ्तार और सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले प्रिंस ने चयनकर्ताओं को खासा प्रभावित किया।

आईपीएल 2026 प्रिंस यादव के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, जहां उन्होंने 14 मैचों में 16 विकेट झटके और अपनी टीम के सबसे सफल गेंदबाज बने। मुश्किल परिस्थितियों में विकेट निकालने की उनकी क्षमता ने उन्हें राष्ट्रीय टीम तक पहुंचा दिया। प्रिंस यादव की यात्रा संघर्षों से भरी रही है। उनके पिता चाहते थे कि वह पुलिस सेवा में जाएं, लेकिन प्रिंस का सपना क्रिकेटर बनने का था। टेनिस बॉल क्रिकेट से शुरुआत

करने वाले प्रिंस ने 18 साल की उम्र में लेदर बॉल से गेंदबाजी शुरू की और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई।

हालांकि उनके करियर में एक बड़ा झटका तब लगा जब उम्र विवाद के चलते उन पर दो साल का प्रतिबंध लगा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। दिल्ली प्रीमियर लीग, रणजी ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें आईपीएल में मौका मिला। अब प्रिंस यादव टीम इंडिया की नीली जर्सी में अपने सपनों को साकार करने के लिए तैयार हैं, जबकि वैभव सूर्यवंशी का उदय भारतीय क्रिकेट के भविष्य की नई उम्मीद बनकर सामने आया है।

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान

आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है। इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे। बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा। गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, सारांश जैन और ऑलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

ऋषभ पंत ने खेला 50वां टेस्ट, भारतीय विकेटकीपरों के खास क्लब में बनाई जगह

नई दिल्ली ।

भारत और अफगानिस्तान के बीच न्यू चंडीगढ़ स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली। मैदान पर उतरते ही पंत ने अपना 50वां टेस्ट मैच खेला और भारतीय क्रिकेट के एक प्रतिष्ठित क्लब में शामिल हो गए। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत अब भारत के लिए 50 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले केवल तीसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज विकेटकीपरों महेंद्र सिंह धोनी और सैयद किरमानी की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026- मीनाक्षी और दीपक करेंगे टूर्नामेंट के स्टेज 2 में भारतीय टीम का नेतृत्व

नई दिल्ली।

विश्व की नंबर एक महिला मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी मुक्केबाज दीपक 15 जून से 21 जून तक चीन के गुइयांग में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2026 (स्टेज 2) में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत इस इवेंट में पिछले वर्ल्ड कप साइकिल में सफल प्रदर्शन के बाद उतर रहा है, जिसमें उन्होंने अलग-अलग स्टेज में कई मेडल जीते थे और फाइनल में कुल मिलाकर शानदार प्रदर्शन किया था। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एक मजबूत भारतीय टीम का ऐलान किया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कई युवा और उभरते हुए बॉक्सरों को भी शामिल किया गया है। विश्व रैंकिंग के अनुसार, टॉप-10 मुक्केबाजों की संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में भारत दूसरे और पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। सबसे बड़ी उपलब्धि महिला मुक्केबाजों की है। दुनिया के टॉप-3 खिलाड़ियों में शामिल भारतीय महिला मुक्केबाजों की संख्या सबसे अधिक है, जिसके कारण भारत इस श्रेणी में दुनिया में पहले स्थान पर है। यह उपलब्धि दिखाती है कि भारतीय मुक्केबाज, खासकर महिला खिलाड़ी, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में अपनी जगह बना रही हैं। इससे यह भी साबित होता है कि भारत की मुक्केबाजी टीम विश्व स्तर पर मजबूत दावेदार बन चुकी है। यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजों को कीमती रैंकिंग पॉइंट्स कमाने और इस जरूरी प्रतिस्पर्धी सीजन के दौरान अपनी रफ्तार बनाए रखने का एक अहम मौका देगा। स्क्वाड के बारे में बात करते हुए बीएफआई प्रेसिडेंट अजय सिंह ने कहा, ÷वर्ल्ड बॉक्सिंग कप हमारे एथलीट्स के लिए टॉप इंटरनेशनल प्रतियोगिता के खिलाफ खुद को परखने का एक अहम प्लेटफॉर्म है। हमने जो सिस्टम और स्ट्रक्चर बनाए हैं, वे अब लगातार नतीजों में बदल रहे हैं, जिसमें सभी वेट कैटेगरी में मजबूत प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। हम पहले जैसी गहराई देख रहे हैं, और यह निरंतरता भारत को दुनिया के लीडिंग बॉक्सिंग देशों में से एक के तौर

पर खुद को बनाने में मदद कर रही है।÷ महिला डिवीजन में मीनाक्षी (51 किलोग्राम) पूनम (54 किलोग्राम), प्राची (57 किलोग्राम), और माही लामा (60 किलोग्राम) के साथ एक टैलेंटेड ग्रुप की अगुवाई कर रही हैं। टीम को स्नेह (65 किलोग्राम), गीतिमोनी जी (70 किलोग्राम), सनमाचा सी (75 किलोग्राम), नैना (80 किलोग्राम), और अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान (+80 किलोग्राम) ने और मजबूत किया।

चोट के चलते कोहली अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर

यशस्वी जायसवाल को मिला मौका

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली चोट के कारण इस सीरीज से आधिकारिक रूप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयन समिति ने युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया है। विराट कोहली को आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलते हुए दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि उन्होंने उस मैच में नाबाद 75 रन की मैच विजयी पारी खेली थी, लेकिन पारी के दौरान वह फिटनेस समस्या से जूझते नजर आए थे। इसके बाद से ही उनके वनडे सीरीज में खेलने पर संशय बना हुआ था। बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कोहली की रिकवरी को लेकर अभी कोई निश्चित समयसीमा नहीं है, लेकिन उम्मीद है कि वे इंग्लैंड सीरीज तक फिट हो सकते हैं। कोहली की जगह शामिल किए गए यशस्वी जायसवाल ने अपना पिछला वनडे 6 दिसंबर 2025 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था, जिसमें उन्होंने नाबाद 116 रन की शानदार शतकीय पारी खेली थी। अब तक खेले गए 4 वनडे मैचों में वे 171 रन बना चुके हैं। टीम में रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या की उपलब्धता भी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। दोनों खिलाड़ियों को सीरीज से पहले बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। हार्दिक पांड्या पीठ की चोट से उबर रहे हैं, जबकि रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग समस्या से जूझ रहे हैं।

कृष्णा ने क्यों भाई टाइगर श्रॉफ को कहा साइको? सख्त लाइफस्टाइल को लेकर की खुलकर बात

टाइगर श्रॉफ अपने फिटनेस लेवल से फैंस को हमेशा हैरान करते रहते हैं। एक्टर अपनी फिल्मों में अक्सर खुद ही स्टंट करते हैं और अपनी लाइफ में बेहद सख्त रूटीन फॉलो करते हैं। उनकी बहन और रियलिटी टीवी स्टार कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में बताया कि टाइगर इतने डिसिप्लिन्ड हैं कि अपने बर्थडे पर भी केक नहीं खाते, सिर्फ उसे सूंघते हैं।

टाइगर को नहीं आती कुकिंग

हाल ही में एक इंटरव्यू में कृष्णा ने टाइगर की असली जिंदगी की झलक दिखाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या टाइगर किचन में समय बिताते हैं, तो वह हंस पड़ीं और बोलीं, 'वो खाना नहीं बनाते। उन्हें तो अंडा बनाना भी नहीं आता। सच में, वो शायद मुझे ये कहने पर मार ही देंगे, लेकिन उन्हें अंडा बनाना भी नहीं आता।'

कृष्णा ने टाइगर की लाइफस्टाइल पर ये कहा

टाइगर की सख्त लाइफस्टाइल के बारे में बात करते हुए कृष्णा ने बताया कि वो कभी भी स्नैकिंग नहीं करते। उन्होंने कहा, 'देखिए, वो हर रात एक ही समय पर सोते हैं और फिर उठकर कुछ खाने-पीने या स्नैक करने का सवाल ही नहीं उठता। मैं हमेशा कहती हूं कि एक तरफ बहुत ज्यादा डिसिप्लिन होता है और दूसरी तरफ नॉर्मल लाइफ। टाइगर पहले वाले हैं, यानी बहुत ज्यादा डिसिप्लिन्ड, और मैं बीच में हूं।' कृष्णा ने एक और चौंकाने वाली बात बताई कि टाइगर अपने बर्थडे पर भी मिठाई नहीं खाते। उन्होंने कहा, 'वो अपने बर्थडे पर केक को सिर्फ सूंघते हैं, खाते नहीं हैं। मुझे तो ये थोड़ा पागलपन लगता है।'

टाइगर श्रॉफ का वर्कफ्रंट

फिलहाल टाइगर अपनी अगली फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जाह्नवी कपूर और लक्ष्य नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से फिल्म की शूटिंग अब अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इस फिल्म को करण जौहर डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अब वो सिर्फ इसके प्रोड्यूसर हैं।

इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं। यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे। आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

15 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे इमरान

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे।

सच को ढूंढने निकले अली फजल, 12 जून से स्ट्रीम करेगी 'राख'

अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख' की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। घोषणा के बाद से ही फैंस इस सीरीज के बारे में हर अपडेट जानने का इंतजार कर रहे थे। अब अंततः मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट जारी कर दी है।

मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' 'राख' 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। 'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है। सच्चाई तक पहुंचने के लिए एक इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर देशभर में तलाश अभियान शुरू करता है। जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाता है, यह केस उसे हिंसा और इंसानी क्रूरता की एक भयावह दुनिया में खींच लेता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ और भी इंटेस होती जाती है।

मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं बाबिल खान

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है।

मलयालम सिनेमा से प्रभावित हैं बाबिल

अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।

मलयालम सिनेमा की तारीफ की

उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती हैं, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

मेरी जिंदगी में कई पार्टनर हैं, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने इंटरव्यू में शहाना ने कहा, 'फिलहाल मेरी जिंदगी में ऐसा कोई एक खास पार्टनर नहीं है। मेरी जिंदगी में कई लोग हैं, जिनसे मेरा लंबे समय से जुड़ाव है, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं। मेरे लिए कोई भी रिश्ता हल्का या टाइमपास नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए ओपननेस का मतलब यह है कि किसी एक इंसान के साथ तय रिश्ता जरूरी नहीं है, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव और अपनापन बना रहता है। कभी वह सिर्फ दोस्ती होती है, कभी रिश्ता थोड़ा और गहरा भी हो सकता है। हर चीज को किसी एक नाम या दिशा में बांधना जरूरी नहीं है। सबसे जरूरी चीज प्यार और दोस्ती है। मेरे लिए दोस्त वही है, जिसके लिए दिल में सच्चा अपनापन हो।'

ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग से इनकार किया

शहाना गोस्वामी से जब ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग यानी अचानक रिश्ता खत्म कर देने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'असल में ऐसा नहीं होता। मैं लोगों को इग्नोर नहीं करती। इस तरह की जिंदगी अचानक नहीं मिलती। यहां तक पहुंचने के लिए इंसान को खुद पर बहुत काम करना पड़ता है। बाहर से यह आसान लगता है, लेकिन अपने अंदर की जलन और असुरक्षाओं का सामना करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों से अलग हूं, जिनसे वे पहले मिले हैं। मेरी वजह से कई लोगों की असुरक्षाएं बाहर आ जाती हैं। मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती, लेकिन मेरी आजादी लोगों को खुद के बारे में सोचने पर मजबूर करती है और हर कोई इसके लिए तैयार नहीं होता।' शहाना ने कहा कि कम उम्र में ही उन्हें ओपन रिलेशनशिप के बारे में समझ आ गई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे हमेशा लगा कि प्यार आजाद होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि रिश्ता किसी इंसान को बांध दे या उसकी जिंदगी सीमित कर दे। इसी सोच ने मेरे रिश्तों और उन्हें निभाने के तरीके को तय किया है।' उन्होंने बताया कि उनके कई ओपन रिलेशनशिप पार्टनर्स एक-दूसरे से मिल चुके हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रिश्ते तभी चल पाते हैं, जब उनमें ईमानदारी और खुलकर बातचीत हो। शहाना ने यह भी कहा कि लोग अक्सर यह सोच लेते हैं कि उनकी जिंदगी आसान है या उन्हें कभी मुश्किल भावनाओं का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनके मुताबिक, आजादी का मतलब मुश्किलों से भागना नहीं होता। असली आजादी तब आती है, जब इंसान अपनी परेशानियों, डर और भावनाओं का सामना करता है और उनसे भागता नहीं। शहाना का कहना है कि बाहर से देखने वाले लोग अक्सर इसी बात को समझ नहीं पाते।

बॉबी देओल ने किया खुलासा कब रिलीज हो सकती है 'जन नायकन'

इस साल जनवरी में रिलीज होने जा रही फिल्म 'जन नायकन' कई विवादों के बाद रिलीज नहीं हो पाई। फिल्म के लीड एक्टर थलापति विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उनके फैंस अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो जाए। इसी बीच फिल्म में विलेन का रोल करने वाले बॉबी देओल ने अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म कब रिलीज होने जा रही है।

लीक होने का बहुत दुख हुआ

अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बॉबी ने बताया कि फिल्म 'जन नायकन' कब रिलीज होगी? बॉबी ने कहा, 'यह फिल्म चुनाव से पहले विजय की आखिरी फिल्म होने वाली थी, लेकिन समझ नहीं आया कि कैसे इसकी रिलीज में देरी हो गई? फिर यह लीक भी हो गई, जिसका हम सभी को बहुत दुख हुआ। अब तो यह फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी मुझे अब तक मिली नहीं है। हो सकता है कि यह अगले महीने विजय के जन्मदिन पर रिलीज हो जाए।'

विजय जो चाहते थे हासिल किया

वहीं जब बॉबी से पूछा गया कि सेट पर विजय के साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी थी? तो एक्टर ने कहा, 'मैं उनको इतनी अच्छी तरह से जानता नहीं। सेट पर बहुत कम बात होती थी। वो बहुत चप रहते हैं पर मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने वो हासिल किया, जो वो चाह रहे थे। जिस तरह वो चुनाव में जीते हैं, यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

कब है थलापति का जन्मदिन?

थलापित विजय इस साल 22 जून को अपना 52वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। ऐसी खबरें हैं कि यह फिल्म उनके जन्मदिन से कुछ दिन पहले 19 जून को रिलीज हो सकती है, पर इस बारे में अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। अब बॉबी का यह बयान फिल्म के रिलीज होने की खबर पुख्ता करता है।

क्या है 'जन नायकन' विवाद?

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' को अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। यह फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी से समय पर सर्टिफिकेट न मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म की रिलीज के समय सेंसर बोर्ड ने अचानक इसे हरी झंडी देने से इनकार कर दिया। सेंसर पैनल के अधिकांश सदस्य इसे ' ' सर्टिफिकेट देने के पक्ष में थे, लेकिन बोर्ड के एक सदस्य ने फिल्म में कथित रूप से धार्मिक सौहार्द्र बिगड़ने और भारतीय सेना के गलत चित्रण को लेकर आपत्ति जताई, जिससे फिल्म की रिलीज रोक दी गई।

कोर्ट तक पहुंचा मामला

सेंसर सर्टिफिकेट में देरी को लेकर फिल्म के निर्माताओं ने मद्रास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। विवाद काफी लंबा खिंच गया, जिसके कारण 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म अब पांच महीने बीत जाने के बाद भी अटकी हुई है। 'जन नायकन' में थलापति विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

5 जून को रिलीज होगी 'बंदर'

बॉबी देओल जल्द ही अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'समर' नाम के एक ऐसे पॉप स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका करियर खत्म हो चुका है। वह अपनी पुरानी लोकप्रियता को वापस पाने के लिए बेताब है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक महिला उस पर रेप का आरोप लगाती है। अब कौन सच बोल रहा है और क्या झूठ है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी और सबा आजाद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

दांपत्य के वास्तविक गहने

स्त्री के सौंदर्य गहने

प्राचीन काल से ही स्त्री के सौंदर्य को बढ़ाने में गहनों का अभूतपूर्व योगदान रहा है। बिना साज-श्रृंगार और आभूषणों के स्त्री सौंदर्य की कल्पना ही नहीं की जा सकती। पर उन गहनों से अलग भी कुछ गहने ऐसे है जो सोने-चांदी या हीरे-मोती से बने तो नहीं होते पर उन गहनों से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है वे।

खोते नहीं अपनी चमक

ये गहने ऐसे होते है जिनकी चमक कभी फीकी नहीं पड़ती और जिनका चलन भी नहीं बदलता, जबकि बाह्यं आभूषणों का चलन हमेशा बदलता रहता है। उन गहनों में से ही एक है- स्त्री का शालीन व्यवहार। जी हां, अच्छा व्यवहार और सलीका एक ऐसा अद्भुत अलंकरण होता है जो साधारण-सी स्त्री को भी असाधारण और आकर्षक बना देता है।

शालीन व्यवहार एक अहम गहना

आप कितनी भी फैशनेबल गहनों से लकदक हों लेकिन आपके बोलने, उठने-बैठने के अंदाज में शालीनता का अभाव हो तो आपके पहने गहने व्यक्तित्व में चार चांद लगाने के बजाय चांद उतारते नजर आएंगे। यूं तो सलीका और शिष्टता किसी भी इंसान के व्यक्तित्व को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, किंतु किसी भी स्त्री के लिए अपने पति के दिल की चिरस्थाई साम्राज्ञी बनने के लिए शालीनता एक अहम गहना होता है। पति और पूरे परिवार की दुलारी बनने में सलीका और शालीनता बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है।

कोर्टशिप के दौरान अथवा विवाह के आरंभिक दौर में तो आपकी हर अदा अपने प्रियतम को दीवाना बनाने के लिए काफी होती है। उन दिनों आप अपने जीवनसाथी को रिझाने और सम्मोहित करने के लिए उर्वशी, मेनका और रम्भा के सारे हथकंडे अपनाने से नहीं चूकतीं। आपकी मनमोहक अदाओं का जादू उन पर सर चढ़ कर बोलने लगता है। लेकिन धीरे-धीरे समय के साथ आपके हाव-भाव और स्टाइल में अनजाने ही ऐसे परिवर्तन आने लगते है कि शुरुआती दिनों की वह खुमारी ताजिंदगी एक 'हैगओवर' बन कर रह जाती है। ऐसा सबके साथ नहीं होता। विशेषकर आज के युग में जब मीडिया के माध्यम से इतने तरह-तरह के नुस्खे परोसे जा रहे है तो कोई भी जागरुक स्त्री भला उन्हे आजमाने से क्यों चूकेंगी। फिर भी यदि आप से कहीं भी कुछ चूक हो गई है तो आज से ही संभल जाइए। फायदे की सलाह हो तो लेने में क्या हर्ज है।

ऐसा भी न करें

बहुत सी स्त्रियां उम्र ढलने के साथ 'एजिंग सिन्ड्रोम' से पीड़ित होने लगती है। उन्हे लगता है कि अब हमारे नाज-नखरे दिखाने के दिन लद गए। लेकिन वे भूल जाती है कि उम्र बढ़ना एक स्वाभाविक शारीरिक प्रक्रिया है। आपका शरीर बूढ़ा हो रहा है लेकिन निगाहे कभी बूढ़ी नहीं होतीं। कहते है न सौंदर्य किसी व्यक्ति या चीज में नहीं देखने वाले की आंखों में होता है। अत: आपके प्रिय की आंखें अभी भी आपमें वही सौंदर्य तलाश कर रही होती है जो आपमें कभी था। जिसे आपने वक्त की चपेट में आकर अपनी लापरवाही और केयरलेसनेस की वजह से बहुत पीछे ढकेल दिया। अपनी रोज की दिनचर्या पर आप एक नजर डाल कर देखेंगी तो आप पाएंगी कि पिछले कुछ सालों में आपमें अनजाने में ही कुछ बुरी आदतें पनपने लगी है जो आपके पति को बहुत नागवार लगती है, पर वे शिष्टतावश आपको टोकते नहीं होंगे। आज आप गौर कीजिए कि इनमें से कौन सी खराब आदतें आपके आकर्षण को निरंतर कम करती जा रही है।

याद कीजिए वे दिन जब आप सुबह सज-संवर कर हाथ में चाय की प्याली थामे चूड़ियां खनकाती हुई अपने पति को जगाती थीं। तब वे अलसाई आंखों से आपकी अदाओं पर रीझते हुए अखबार व चाय की चुस्कियों का आनंद लेते थे।

अब आप सुबह उठती है, उलझे और बेतरतीब बालों का घोंसला बनाए, आंखों को मिचमिचाते हुए पति को चाय पकड़ाती है। पति आप पर उचटती नजर डालकर अखबार में सिर गड़ा लेते है। आप बेडरूम से अटैच्ड बाथरूम में ब्रश करती है और ब्रश करते-करते मुंह पर झाग लपेटे पति के पास आकर कोई जरूरी बात करने लगती है। खाने की टेबल पर समय की कमी के कारण ताबड़तोड़ खाना ठूंसती है। मुंह से खाने की आवाज निकालती है। खाने के बाद जोर-जोर से डकार लेने लगती है।

जम्हाई आने पर आस-पास बैठे लोगों का ध्यान रखे बिना मुंह फाड़कर बिना हाथ या रूमाल रखे जम्हाई लेती है।

उम्र का ध्यान रखते हुए परिधानों का चयन करिए। षोडशी बाला की तरह चुस्त व तड़क-भड़क के रंगीन कपड़े कहीं आपको मजाक का पात्र न बना दें।

यह ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि जैसे पहले आप अपने पहनावे को लेकर सजग थीं वैसी ही अब भी रहिए। पहनावे का सलीका उम्र का मोहताज नहीं है।

वजन बढ़ जाने पर भी नाभि-दर्शना साड़ी का मोह नहीं त्याग पा रही हैं तो देखने में अच्छा नहीं लगेगा।

आपको शर्ट और मिनी ड्रेसेज पहनने का शौक है भले ही वे आपके शरीर पर फब नहीं रही हों।

अगर आप इनमें से कोई भी बात अमल में ला रही हों तो कृपया आज ही से उन पर विराम लगा दें। इस बात का इंतजार न करे कि पति ने तो कुछ टोका ही नहीं फिर लोगों की चिंता क्यों करे।

बनाए रखें बेडरूम की गरिमा

उम्र बढ़ने के साथ अधिकांश महिलाएं शयन कक्ष की संवेदनशीलता का अर्थ खोने लगती है। उन्हे लगता है कि अब बच्चे बड़े हो गए, इतनी उम्र हो गई, अब क्या शयनकक्ष और क्या उसकी प्राइवेसी ?

लेकिन वे भूल जाती है कि हमारे शास्त्रों में भी स्त्री के पांच प्रमुख गुणों में एक गुण 'शयनेषु रम्या' पर बहुत जोर दिया है। शयन कक्ष ही वह मनोरम कक्ष है जहां दंपती अपने प्रारंभिक दिनों को बार-बार जीने के लिए प्रयास करते है।

कुछ स्त्रियां समय के साथ-साथ बाहरी कपड़ों और एक्सेसरीज पर तो ध्यान देती है लेकिन अपने इनरवेयर और नाइटी वगैरह में कटौती करने लगती है। लेकिन अब इन नुस्खों को भी अपना कर देखिए। आज भी आप वैसे ही इनरवेयर पहन कर देखिए जैसे आप पहले पहनती थीं। तितली के पंखों से नाजुक और खूबसूरत अंतत्वस्त्र निश्चय ही आपके पति के मूड को बदल देंगे।

अगर नाइटी पुरानी है तो बदल दें। उसकी जगह मुलायम झीने कपड़ों की फ्रिल लगी मुलायम नाइटी पहन कर देखिए। आप अपने को तरोताजा महसूस करने लगेंगी। आपके पहनावे पर आपका ही नहीं आपके पति का मूड भी निर्भर करता है, न यकीन हो तो हमारी सलाह अपना कर देखिए।

वजन बढ़ने पर आप अकसर पैर फैलाकर नब्बे डिग्री का कोण बनाकर सोती है। आपको तो निस्संदेह आराम मिलता होगा लेकिन देखने वालों को आपकी यह मुद्रा बहुत बेआरामी में डाल सकती है। सिर्फ बैठते-चलते समय ही नहीं बल्कि सोते समय भी पोस्चर पर ध्यान दें।

यूं तो खर्राटों पर किसी का भी वश नहीं है किंतु कोशिश कर के करवट बदल कर कुछ हद तक इन पर काबू पाया जा सकता है।

अपनाएं अरोमाथेरेपी को

शरीर की स्वच्छता के साथ-साथ उसे सुगंधित रखने की अपनी पुरानी आदत को बनाए रखें। अरोमाथेरेपी का दांपत्य जीवन में चामत्कारिक असर होता है। न हो तो अपना कर देखें।

यह ध्यान रखें कि अपनी कुछ आदतों में बदलाव लाकर, अपनी खूबियों को बरकरार रख कर आप अपने वास्तविक आभूषणों को धारण कर सकती है। ये गहने ऐसे होते है जिनके न खोने का डर रहता है न ही फीके पड़ने का। पहनने वाले आभूषण रहे या न रहे लेकिन इन वास्तविक आभूषणों के न रहने पर आप वास्तव में आभूषणविहीन हो जाएंगी।

11 टिप्स जिससे घर का हर कोना रहे रोशन

घर में प्राकृतिक रोशनी, ताजी हवा और धूप का सही ढंग से आना बहुत जरूरी है। यह तभी संभव है, जब मकान बनवाते समय सही ढंग से प्लानिंग की जाए। आपकी इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए इंटीरियर डिजाइनर एस. शर्मा दे रहे हैं कुछ खास सुझाव

1. मकान में अच्छी रोशनी हो, इसके लिए यह बहुत जरूरी है कि प्लॉट खरीदते समय आप इस बात का ध्यान रखें वह कम से कम तीन तरफ से खुला हो।
2. हर कमरे में बड़ी खिड़किया और इनके ऊपर ओवर हेड वेंटिलेटर होना चाहिए, जिनके ऊपर ग्लास लगा हो। इससे घर में प्राकृतिक रूप से रोशनी आती रहेगी।
3. डाइनिंग स्पेस, लिविंग एरिया या लॉबी के पिछले हिस्से में स्लाइडिंग ग्लेज डोर लगवाना भी बेहतर विकल्प है। इसे बंद करने के बाद भी घर के भीतर हल्की रोशनी आती रहती है।
4. किचन में भी ऐसी बड़ी खिड़की होनी चाहिए, जिसमें शीशे के अलावा जाली के दरवाजे की भी व्यवस्था हो।
5. बेडरूम के लिए वे विंडो सबसे अच्छी रहती है, इसमें खिड़की के ऊपर छज्जा होता है और खिड़कियां बाहर की ओर खुलती हैं। इससे कमरे में बारिश का पानी नहीं आता और खिड़की से पर्याप्त हवा और रोशनी आती है।
6. बाथरूम में भी दो से सवा दो फुट की टिंटेड ग्लास वाली खिड़की एग्जॉस्ट फैन के साथ होनी चाहिए।
7. बेसमेंट में प्राकृतिक रोशनी पहुंचाने की सही तरीका यह है कि भूतल से चार फुट ऊपर जाकर वहीं वेंटीलेटर की व्यवस्था की जाए। इससे पूरे बेसमेंट एरिया में रोशनी के साथ सांस लेने के लिए पर्याप्त हवा भी मिलती है।
8. बेसमेंट एरिया में सन पाइप के जरिए भी प्राकृतिक रोशनी पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। इसमें रिफ्लेक्टिव पाइप द्वारा छत से कमरे तक प्राकृतिक रोशनी पहुंचाई जाती है, लेकिन काफी महंगी होने के कारण भारत में इस तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल नहीं होता।
9. घर के पैसेज एरिया में ट्रांसपेरेंट एस्बेस्टस शीट लगवा कर ग्लेज रूफ की व्यवस्था भी करवा सकती हैं, इससे आपके घर का यह हिस्सा खुला और हवादार दिखाई देगा।
10. अगर आपके घर में कोई ऐसा कमरा है, जिसकी दीवार की तरफ खिड़की बनाने की जगह नहीं है तो इसकी बीच की दीवार को हटाकर वहीं आप वुडन फ्रेम से बना ब्लॉक ग्लास वाला पार्टीशन वॉल लगवा दें। इससे आपके कमरे में पर्याप्त रोशनी पहुंच जाएगी।
11. रोशनी सभी को अच्छी लगती है, लेकिन मई-जून की तपती दुपहरी में यही रोशनी आंखों को चुभने लगती है। इससे बचने के लिए आप खिड़कियों के शीशे पर ब्लैक फिल्म लगवाएं। इसके अलावा आप लाइनिंग वाली कर्टन्स या मोटी ब्लाइंड्स की व्यवस्था कर सकती हैं।